आरएनआई – एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, मंगलवार 25 अगस्त 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 257
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

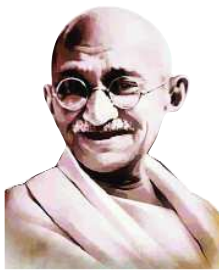

राष्ट्रपिता को नमन...

जाम से हांफा देश का स्वच्छ शहर : वाहन चालक होते रहे परेशान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सोमवार की शाम शहरवासियों और राहगीरों के लिए भारी परेशानी लेकर आई। यात्रा और सवारी के कारण शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। शाम करीब चार बजे शुरू हुआ यात्रा और सवारी का सिलसिला रात आठ बजे तक चलता रहा। इस दौरान आधा शहर जाम की चपेट में रहा और वाहन चालक घंटों सड़कों पर फंसे रहे। यात्रा के लिए शहर के मुख्य मार्गों का इस्तेमाल किए जाने से कई स्थानों पर यातायात को रोककर या एक तरफ से चलाया गया। इससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कई मार्गों पर वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ते नजर आए। लोगों को कुछ किलोमीटर की दूरी तय करने में भी काफी समय लग गया। जाम में फंसे वाहन चालकों में व्यवस्था को लेकर नाराजगी दिखाई दी।

लोगों का कहना था कि यात्रा के मार्ग और यातायात प्रबंधन को लेकर पहले से बेहतर तैयारी की जा सकती थी। यात्रा के दौरान डीजे की तेज आवाज ने भी लोगों की परेशानी बढ़ाई। मुख्य सड़कों पर तेज आवाज में बज रहे डीजे के कारण राहगीरों और आसपास के रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा, वहीं कई रास्तों को बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया गया था। इसके चलते वैकल्पिक मार्गों पर भी वाहनों का दबाव बढ़ गया और वहां जाम की स्थिति बनने लगी। रक्षाबंधन का पर्व नजदीक होने के कारण शहर के कई बाजारों और प्रमुख मार्गों पर राखी की दुकानें भी लग गई हैं। सड़क किनारे लगी दुकानों और खरीदारी के लिए आने वाले लोगों के वाहनों के कारण पहले से दबाव झेल रहे मार्गों पर यातायात और प्रभावित हुआ।

यात्रा, बाजारों की भीड़ और अस्थायी दुकानों के कारण कई इलाकों में स्थिति बेकाबू नजर आई। सबसे चिंताजनक स्थिति उस समय बनी, जब जाम में एंबुलेंस भी फंस गई। आपात स्थिति में मरीजों को लेकर जा रही एंबुलेंस को रास्ता मिलने में परेशानी हुई। इससे यातायात व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए। लोगों का कहना है कि धार्मिक आयोजन के लिए अनुमति देते समय प्रशासन को आमजन की परेशानी भी समझना चाहिए। चंद लोगों के दबाव में हजारों लोगों को परेशान करना कतई उचित नहीं है।

अंदर के पन्नों पर...

मौसम में बदलाव के बीच सांस संबंधी बीमारियों की रोकथाम पर जोर

पेज-2

देपालपुर के पहलवान हरिओम ने राष्ट्रीय कुश्ती में स्वर्ण जीता

पेज-5

न्यूज ब्रीफ

- राम रहीम को 7 साल में 17वीं बार मिली पेरोल
- जयपुर में रिश्वत लेते JVVNL का जूनियर इंजीनियर गिरफ्तार, ACB ने पकड़ा
- हिजाब इस्लामिक आस्था का जरूरी हिस्सा नहीं : इलाहाबाद हाई कोर्ट
- दिल्ली में भारी बारिश से सड़कों पर पानी भरा; 16 फ्लाइट्स कैंसिल, 132 लेट
- कच्ची चीनी के आयात के नियम बदले, 2 महीने में रिफाइनिंग और बिक्री जरूरी
- यूपी में कथित अनियमितताओं पर 558 मदरसों की जांच शुरू
- दिल्ली में क्राइम ब्रांच और बदमाशों के बीच मुठभेड़, कई राउंड चली गोलियां
- दिल्ली में भारी बारिश और आंधी-तूफान का रेड अलर्ट जारी

राखी की मिठास पर महंगाई की मार एक माह में 27 किलो उछली शकर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भाई-बहन के उत्साह के पर्व राखी को तीन दिन बचे हैं और शहर के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। राजबाडा, मारोठिया, क्लाथ मार्केट, पाटनीपुरा, विजय नगर, स्कीम 78 सहित शहर के प्रमुख बाजारों में राखी, मिठाई, नारियल और गिफ्ट की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी है। हालांकि इस बार त्योहार की तैयारियों के बीच महंगाई भी जेब पर असर डाल रही है। खासकर शकर के भाव में एक महीने में करीब 27 रुपए प्रति किलो की तेजी ने मिठाई और घर में बनने वाले पकवानों का बजट बढ़ा दिया है। करीब एक महीने पहले तक 45 रुपए किलो बिकने वाली शकर अब 70 से 72 रुपए किलो तक पहुंच गई है। यानी त्योहार से पहले ही शकर करीब 60 फीसदी तक महंगी हो गई है। इसका सीधा असर घरों के किचन से लेकर मिठाई की दुकानों तक दिखाई देने की संभावना है। शकर के दाम बढ़ने से घरेलू बजट प्रभावित होना तय है।

रक्षाबंधन पर घर जाना हुआ महंगा बसों का किराया हुआ दोगुना

त्योहार नजदीक आते ही बसों में सीटों की मांग बढ़ गई है और इसके साथ ही कई रूट पर टिकट के दाम भी तेजी से बढ़े हैं। खासकर अंतिम समय में टिकट बुक कराने वाले यात्रियों को सामान्य दिनों की तुलना में काफी ज्यादा किराया चुकाना पड़ रहा है। निजी बस ऑपरेटरों के साथ चार्टर्ड बस सेवा के किराए में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इंदौर-पुणे रूट पर किराए में सबसे ज्यादा उछाल सामने आया है। आम दिनों में इंदौर से पुणे जाने वाली बसों का किराया करीब 1300 से 1500 रुपए के आसपास रहता है। लेकिन रक्षाबंधन से एक दिन पहले यानी 27 अगस्त की यात्रा के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर कई बसों का किराया 2600 से 3000 रुपए तक दिखाई दे रहा है।

रक्षाबंधन के पहले उमड़ा खरीददारों का सैलाब, जमकर हुई खरीदी

इंदौर। रक्षाबंधन पर्व के नजदीक आते ही शहर के प्रमुख बाजारों में राखियों की खरीदी के लिए जनसैलाब उमड़ने लगा है। चित्र राजबाड़े पर खरीददारी करती महिलाओं का।

भाजपा महिला मोर्चे में विधानसभा-3 का दबदबा

अध्यक्ष और महामंत्री दोनों एक ही क्षेत्र के

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भाजपा के संगठनात्मक समीकरणों में इंदौर विधानसभा-3 एक बार फिर चर्चा में है। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के बाद अब महिला मोर्चा की नई टीम में भी इस विधानसभा क्षेत्र की मजबूत मौजूदगी सामने आई है। महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रेष्ठा जोशी और महामंत्री माधुरी जायसवाल दोनों विधानसभा-3 से हैं। खास बात यह है कि दोनों एक ही वार्ड की निवासी हैं।

श्रेष्ठा जोशी सदर बाजार क्षेत्र में रहती हैं, जबकि माधुरी जायसवाल मराठी मोहल्ला क्षेत्र से आती हैं। दोनों का राजनीतिक क्षेत्र ही नहीं, वार्ड भी एक ही है। संगठन में अध्यक्ष और महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर एक ही विधानसभा क्षेत्र की दो महिला नेताओं की नियुक्ति के बाद भाजपा के भीतर इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है।

पहले भी विधानसभा-3 की महिला नेताओं को मिली कमान-भाजपा के शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा भी विधानसभा-3 से आते हैं। अब महिला मोर्चा में अध्यक्ष और महामंत्री दोनों पद इसी क्षेत्र को मिलने से संगठन में विधानसभा-3 का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

महिला मोर्चा में इससे पहले भी विधानसभा-3 से जुड़ी महिला नेताओं को जिम्मेदारी मिलती रही है। पदमा भोजे दो बार अध्यक्ष रहीं। शशि खंडेलवाल, पुष्पा जैन और उज्ज्वला वागल का संबंध भी विधानसभा-3 से रहा है। वहीं ज्योति तोमर दो बार अध्यक्ष रहीं और उनका राजनीतिक संबंध विधानसभा-4 से रहा। शैलजा मिश्रा भी विधानसभा-4 से जुड़ी रही हैं। भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में विधानसभा क्षेत्रों को महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में विधानसभा-3 से लगातार प्रमुख पदों पर नेताओं की मौजूदगी को आगामी संगठनात्मक और राजनीतिक समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है।

आधे प्रदेश में आज बरसात की चेतावनी : टीकमगढ़ समेत 5 जिलों में अति भारी बारिश का अलर्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● आधे मध्य प्रदेश में मंगलवार को तेज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, टीकमगढ़, दमोह, नरसिंहपुर, बैतूल और राजगढ़ में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, गुना, आगर-मालवा, शाजापुर, सीहोर, हरदा, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, जबलपुर, कटनी, शहडोल, छतरपुर, पन्ना, सीधी और सिंगरौली में भारी बारिश होगी। इन सभी 25 जिलों में ढाई इंच से ज्यादा पानी गिर सकता है।

पूर्व सांसद, विधायकों समेत अन्य सीनियर नेताओं को बनाया जाएगा विशेष आमंत्रित सदस्य

खंडेलवाल की टीम में कार्यसमिति से पहले होगा विस्तार, 100 से अधिक लोगों को जोड़ा जाएगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की टीम में फिर से विस्तार किया जाएगा। यह विस्तार एक दो दिन में ही होने की उम्मीद है। इसमें सौ से अधिक विशेष आमंत्रित सदस्यों को शामिल किया जाएगा।

इनमें पूर्व सांसद, पूर्व विधायक समेत अन्य सीनियर नेताओं के नाम होंगे। प्रदेश मीडिया प्रभारी की नियुक्ति भी इसी के साथ हो जाएगी। भाजपा सूत्रों के मुताबिक विशेष आमंत्रित सदस्यों की नियुक्ति को लेकर सरकार और संगठन के बीच मंथन हो चुका है। संभावना है कि विशेष आमंत्रित सदस्यों की संख्या 100 से अधिक होगी, जिससे संगठन की विभिन्न इकाइयों और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके। दरअसल, प्रदेश भाजपा ने हाल ही में विभिन्न संगठनात्मक समितियों का गठन किया था, लेकिन इनमें कई मंत्री, सांसद, विधायक और निगम-मंडलों के पदाधिकारी शामिल नहीं हो पाए थे। संगठन अब ऐसे सभी वरिष्ठ नेताओं को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में जोड़ने की तैयारी कर रहा है, ताकि संगठनात्मक बैठकों और निर्णय प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके। गौरतलब है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत खंडेलवाल की पहली प्रदेश कार्यसमिति बैठक 18 और 19 जुलाई को ओरछा में प्रस्तावित थी। इसी दौरान दतिया विधानसभा उपचुनाव की घोषणा और विधानसभा के मानसून सत्र का कार्यक्रम तय होने के कारण पार्टी नेतृत्व ने बैठक स्थगित करने का निर्णय लिया था।

विजय शाह पर अभियोजन की मंजूरी पर आज मोहन कैबिनेट करेगी फैसला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए विवादित बयान के मामले में सरकार आज कैबिनेट बैठक में अभियोजन स्वीकृति देने पर फैसला करेगी। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने पर इसे राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। इस मामले की अगली सुनवाई 31 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में होनी है। इससे पहले सरकार को अभियोजन स्वीकृति पर निर्णय लेना है।

मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति का मामला करीब एक साल से लंबित है। मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 196(1)(a) के तहत उनके खिलाफ अभियोजन चलाने की अनुमति मांगी है। सरकारी सेवक के खिलाफ अभियोजन की अनुमति से जुड़े प्रावधान के तहत सरकार की मंजूरी जरूरी बताई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने 19 जनवरी 2026 को सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को इस मामले में निर्णय लेने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था। इसके बावजूद फैसला लंबित रहा। अब सरकार कैबिनेट के जरिए इस पर निर्णय लेने की तैयारी में है।

मंजूरी मिली तो राज्यपाल के पास जाएगा प्रस्ताव-यदि कैबिनेट अभियोजन स्वीकृति के प्रस्ताव को मंजूरी देती है तो इसे राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। राज्यपाल की मंजूरी के बाद गृह विभाग सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में शपथपत्र पेश करेगा।

मंजूरी नहीं मिली तो भी खत्म नहीं होगा मामला-सरकार से अभियोजन की अनुमति नहीं मिलने की स्थिति में भी मामला खत्म नहीं होगा। ऐसी स्थिति में केस लंबित रह सकता है। विजय शाह के मंत्री पद से हटने के बाद एसआईटी उनके खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई आगे बढ़ा सकती है।

न्यूज ब्रीफ

पं. विष्णु प्रसाद शुक्ला की पुण्यतिथि पर परशुराम अवार्ड दिया जाएगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री परशुराम सेना संरक्षक अनु बाजपेई और अध्यक्ष प्रकाश शर्मा पप्पी द्वारा बताया गया कि इंदौर शहर के पुरोधा स्वर्गीय पंडित विष्णु प्रसाद शुक्ला य ह पुण्यतिथि के अवसर पर की परशुराम वाटिका मरी माता चौराहे पर ब्राह्मण समाज विभिन्न अध्यक्षों एवं समाजजनों द्वारा श्रद्धांजलि दी जाएगी। पंडित दीपक शर्मा और राजेश दुबे ने बताया की साथ ही राष्ट्रीय कवि पंडित सतनारायण सत्तन और वरिष्ठ जनों द्वारा ब्राह्मण समाज के उत्कृष्ट कार्य करने वाले सम्मानित ब्राह्मण को परशुराम अवार्ड दिया जाएगा मुक्त अवसर पर समाज बंधु एकत्रित होकर पंडित विष्णु प्रसाद शुक्ला द्वारा किए गए ब्राह्मण समाज के हित के कार्यों की परिचर्चा भी की जाएगी।

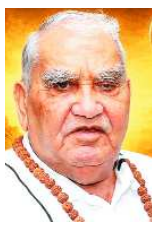

प्राचीन चंद्रेश्वर महादेव मंदिर मे श्रंगार, महाआरती व खिचडी प्रसाद का वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्राचीन चंद्रेश्वर महादेव मंदिर शिव कुटी स्नेहलतागंज पर सावन माह के चौथ व अंतिम सोमवार को इंदौर मे अच्छी बारिश को लेकर सुबह भगवान चंद्रेश्वर का जलाभिषेक कर शाम का भगवान चंद्रेश्वर महादेव का विशेष श्रंगार व महाआरती कर खिचडी प्रसाद का वितरण किया इस अवसर पर स्नेहलतागंज क्षेत्र की धर्मिक महिलाए व धर्म प्रेमी जनता उपस्थित थी।

42 नए ग्रिडों से बिजली आपूर्ति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी उपभोक्ता सेवा संचालन और बिजली की बढ़ती मांग की गुणवत्ता के साथ पूर्ति करने के लिए सघनता से प्रयास कर रही है। पिछले एक वर्ष के दौरान मालवा निमाड़ में 33/11 केवी के 42 नए सब स्टेशन बनाकर किसानों, उद्योगों, घरेलू, गैर घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए बिजली प्रदाय प्रारंभ कर दिया है। एक वर्ष में आरडीएसएस के 26 और एसएसटीडी के16 सब स्टेशनों का निर्माण हुआ है। इन ग्रिडों से लाखों बिजली उपभोक्ताओं बिजली आपूर्ति की जा रही है। इंदौर व उज्जैन शहर के कुछ स्थानों पर अंडर ग्राउंड केबल स्थापना का कार्य कुशलता से किया गया है। इंदौर और उज्जैन शहर में कवर्ड कंडक्टर का कार्य भी प्रारंभ हो चुका हैं, इससे फाल्ट में काफी हद तक कमी आएगी।

ऊर्जस एप ने की 108 उपभोक्ताओं की मदद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उपभोक्ता सुविधा की दृष्टि से बेहतर साबित हो रहे ऊर्जस एप द्वारा बिजली उपभोक्ताओं की आपूर्ति संबंधी शिकायतों के बगैर कार्यालय पहुंचे एवं बगैर फोन नंबर घुमाए समाधान हो रहा है। ऊर्जस एप पर उपभोक्ता द्वारा आपूर्ति संबंधित शिकायत दर्ज करने के कुछ मिनटों बाद ही समाधान का चरण प्रारंभ हो जाता है। उपभोक्ता की आपूर्ति संबंधी शिकायत का समाधान होने के उपरांत निराकरण संबंधी पुष्टि भी की जाती है। पिछले चौबीस घंटे के दौरान ऊर्जस एप से इंदौर शहर के 64, उज्जैन के 14, देवास के 8, रतलाम के 4, धार के 2 उपभोक्ताओं ने आपूर्ति संबंधी शिकायतों का निराकरण कराया हैं। शहरों के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ता भी ऊर्जस एप का उपयोग कर रहे हैं।

स्विगी का 24×7 एआई बिजनेस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● के अग्रणी ऑन-डिमांड सुविधा प्लेटफॉर्म, स्विगी (स्विगी लिमिटेड, एनएसई: स्विगी/ बीएसई: 544285) ने आज अपने रेस्टोरेंट पार्टनर्स के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए एक प्लेटफॉर्म इनोवेशन - अपने 24×7 एआई बिजनेस पार्टनर-गुरु को लॉन्च करने की घोषणा की।

स्वास्थ्य विभाग का अलर्ट, मौसम में बदलाव के बीच सांस संबंधी बीमारियों की रोकथाम पर जोर

निजी अस्पतालों को दिए निर्देश, एच1एन1 के नए वैरिएंट से इनकार

गंभीर मरीजों के ही सैंपल जांच के लिए भेजे जाएंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मौसम में बदलाव के साथ सांस संबंधी बीमारियों और मौसमी इन्फ्लुएंजा के बढ़ते खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासन ने निजी अस्पतालों की बैठक लेकर इन्फ्लुएंजा की रोकथाम और उपचार व्यवस्था की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अस्पतालों को मरीजों में शुरुआती लक्षणों की पहचान पर विशेष ध्यान देने और ओपीडी की रिपोर्ट नियमित रूप से आईएचआईपी पोर्टल पर अपडेट करने को कहा गया है।

जारी की एडवाइजरी

खांसते या छींकते समय मुंह को हाथ की बजाय कंधे की ओर रखें। साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोएं। सर्दी-जुकाम होने पर दूसरे लोगों से कम से कम एक मीटर की दूरी बनाए रखें। हाथ मिलाने और गले मिलने से बचें।

नए वैरिएंट की कोई पुष्टि नहीं

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आईसीएमआर के अनुसार एच1एन1 का कोई नया स्वरूप सामने नहीं आया है। वर्तमान में फैल रहा इन्फ्लुएंजा सामान्य मौसमी संक्रमण है, जो आमतौर पर अपने आप ठीक हो जाता है। हालांकि छोटे बच्चों. बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों में संक्रमण गंभीर होने का खतरा अधिक रहता है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि व्यक्तिगत स्वच्छता की अनदेखी, बिना सुरक्षा के छींकना-खांसना, सामाजिक दूरी का पालन नहीं करना और बंद स्थानों पर भीड़भाड़ वाली गतिविधियां इन्फ्लुएंजा, एडेनोवायरस सहित विभिन्न संक्रमणों के प्रसार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा कर सकती हैं।

हर मरीज की जांच जरूरी

राज्य शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार सामान्य अथवा मामूली लक्षण वाले श्रेणी-ए और अपेक्षाकृत गंभीर अथवा उच्च जोखिम वाले श्रेणी-बी मरीजों की नियमित जांच आवश्यक नहीं है। इनका उपचार लक्षणों के आधार पर दवाओं से किया जाएगा। केवल गंभीर श्रेणी-सी मरीजों के सैंपल ही जांच के लिए संबंधित एमजीएम मेडिकल कॉलेज की माइक्रोबॉयोलॉजी लैब भेजे जाएंगे।

संक्रमित व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल किए गए टिश्यू, रूमाल, तौलिया और कपड़ों के सीधे इस्तेमाल से बचने की भी सलाह दी गई है। सर्दी-जुकाम होने पर चिकित्सकीय सलाह लेने के साथ घर पर आराम करें और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें। स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि घबराने के बजाय सावधानी बरतें और फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सकीय परामर्श लें।

ये हैं इन्फ्लुएंजा के प्रमुख लक्षण

इन्फ्लुएंजा में खांसी, जुकाम, बदन दर्द, बुखार, सांस लेने में तकलीफ, गले में दर्द, सिरदर्द और अत्यधिक थकान जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। लक्षणों की शुरुआत में ही चिकित्सकीय सलाह लेना खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए महत्वपूर्ण है।

तीन माह का वेतन न मिलने पर शिक्षको ने सौंपा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● म प्र शासकीय शिक्षक संगठन इंदौर के संरक्षक हरीश बोयत, प्रांतीय महामंत्री अशोक मालवीया व जिलाध्यक्ष प्रवीण यादव ने बताया कि सर्व शिक्षा अभियान के लगभग 150 बीईसी व सीएसी का वेतन लगभग तीन माह निकल जाने के बाद भी नहीं हुआ है। चूंकि रक्षाबंधन का महत्वपूर्ण त्यौहार पास है ऐसे समय में तीन माह का वेतन न मिलने से महिला शिक्षिकाओ में हताशा है।

आज इंदौर, महू देपालपुर सांवेर के बी ए सी व जनशिक्षक वेतन न मिलने पर सी ई ओ जिला पंचायत हिमांशु प्रजापति से मिले व अपनी वेदना बताई। सी ई ओ हिमांशु प्रजापति जी ने सबकी वेदना ध्यान से सुनी और डीपीसी महोदय से चर्चा कर शीघ्र ही वेतन दिलाने का आश्वासन दिया। ज्ञापन का वाचन रश्मि गोले मैडम ने किया व अशोक मालवीया ने आभार व्यक्त किया। आज के ज्ञापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरीश बोयत, रमेश यादव, अशोक मालवीया, प्रवीण यादव, आनंद हार्डिया, रश्मी गोले, शिलव्रत पटेरिया, राकेश विजयवर्गीय, खालिद अंसारी, मोनिका मेश्राम, राखी अग्निहोत्री, कजली बोराडे, फिरोज खान, विजय निगवाल, श्यामलाल देवड़ा, कपिल परमार, रेणुका मेहरा, अलका चौहान, उषा कोचले, रानी बिंदौरिया, रेणुका मोरे, निकिता जोशी, योगेश यादव, जितेंद्र परमार, विपिन जोशी, राकेश शाक्यवार, विशाल नामदेव आदि साथी सम्मिलित रहे।

'ग्लैमर रेनवे '26' का सफल आयोजन संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●महिलाओं के सशक्तिकरण, आत्मविश्वास और उनकी प्रतिभा को एक प्रभावशाली मंच प्रदान करने के उद्देश्य से ओमीशा सोशल क्लब की फाउंडर श्रीमती रेणु सोलंकी के नेतृत्व में 'Glamour Rainways '26 - The Grand Launch & Western Bash' का भव्य आयोजन एचआर रिजॉर्ट एंड होटल, बिचोली हप्सी, कनाड़िया रोड, इंदौर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती मुग्धा गोलू शुक्ला एवं श्रीमती रचना महंत द्वारा किया गया। इस अवसर पर वंश मालवीय, डॉ. मनजीत भाटिया सहित अनेक अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मध्यप्रदेश हैंडबॉल संघ पदाधिकारी व कार्यकारिणी घोषित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश हैंडबॉल संघ की 2026-30 पदाधिकारी व कार्यकारिणी का गठन एवं घोषणा राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के अनुसार की गई। स्थानीय बैंक्वेट हॉल में आयोजित चुनावी वार्षिक साधारण सभा में मध्यप्रदेश हैंडबॉल संघ से मान्यता प्राप्त 40 जिलों के अध्यक्ष, सचिव एवं प्रतिनिधि सदस्यों ने उपस्थित होकर चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। चुनाव प्रक्रिया हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक श्री प्रवीण कुमार सिंह, महासचिव, गुजरात हैंडबॉल संघ की देखरेख में संपन्न हुई। चुनाव के लिए हाईकोर्ट अधिवक्ता एवं नियुक्त रिटर्निंग ऑफिसर आकाश आर. शर्मा ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के अनुसार चुनाव प्रक्रिया पूरी कराई।

आदर्श पब्लिक हाई स्कूल ने निकाली कावड़ यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● सांवेर के समीपस्थ गांव चित्तौड़ में आदर्श पब्लिक हाई स्कूल की पहल पर स्कूल के विद्यार्थियों ने एक भव्य कावड़ यात्रा और बाबा महाकाल की शाही सवारी ग्राम चितोडा में निकली, यात्रा को देखकर हर कोई भक्ति भाव में डूब गया शाही सवारी और कावड़ यात्रा में सैकड़ो की संख्या में स्कूल के विद्यार्थी थे यात्रा में शिव, पार्वती, गणेश का रूप धरे बच्चे सब का मन मोह रहे थे, 10 से भी ज्यादा जगह पर ग्राम वासियों ने मंच लगाकर इन स्कूली बच्चों का उत्साह वर्धन किया जब यह यात्रा गांव में निकली तो पूरा गांव शिव में हो गया। इस यात्रा की खास बात यह थी की संपूर्ण गांव के पांचो शिव मंदिरों पर बच्चों ने जलाभिषेक किया साथ ही साथ भगवान राम और हनुमान के मंदिरों पर भी विशेष पूजा अर्चना की गई।

ग्राम टाकून में किसान संगोष्ठी का आयोजन हुआ

डॉ. अतुल लाड़ना

सांवेर ● दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर विकासखंड के ग्राम टाकून में सोमवार को श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय इंदौर के तत्वाधान में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। डॉ. सुहास माने ने किसानों को किसान संगोष्ठी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी किसानों का स्वागत किया और संगोष्ठी में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। आज की संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ डॉ. युवराज शिंदे ने किसानों को एकीकृत कृषि प्रणाली के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद डॉ. असलम ने पशुपालन विषय पर जानकारी देते हुए पशुओं की उचित देखभाल, संतुलित आहार, टीकाकरण तथा पशुओं में होने वाली सामान्य बीमारियों से बचाव के संबंध में किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी दी।

सांवेर से उज्जैन पहुंची संस्था वात्सल्य की कावड़ यात्रा, किया अभिषेक

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● सांवेर संस्था वात्सल्य द्वारा रविवार को नगर से 14वीं कावड़ यात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में कावड़ यात्री और श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए। नगर में स्वागत मंच लगाकर कावड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा की गई। शीतल पेय पिलाकर स्वागत किया गया। यात्रा उज्जैन पहुंची। वहां कावड़ में लाए पवित्र जल से बाबा महाकाल का जलाभिषेक किया गया।

यात्रा संयोजक डॉ.अतुल लाडना एवं प्रभारी अंकित पोरवाल ने बताया कि सुबह 7 बजे श्री घाट, धोबी मोहल्ला में पूजन-अर्चन के बाद यात्रा शुरू हुई। ढोल-डीजे पर कावड़ यात्री शिव के जयकारे लगाते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए उज्जैन के लिए रवाना हुए। बाजार चौक में बीजेपी के नेता सुभाष जैन मुन्ना चाचू के नेतृत्व में यात्रा का स्वागत हुआ, पूर्ण नगर पंचायत अध्यक्ष श्याम सोनी मित्र मंडल द्वारा स्वागत किया गया पूर्व पार्षद भाइयों भाई और पार्षद प्रतिनिधि जयदीप कानूनगो के नेतृत्व में यात्रा संयोजक अतुल लड़ना का साफा बांधकर स्वागत किया गया इमली तिराहे पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप चौधरी, बीजेपी कार्यालय के सामने पूर्व मंडी अध्यक्ष दयाराम चौधरी की अगुवाई में नगर परिषद अध्यक्ष संदीप चंगेड़िया और भाजपा नेताओं ने यात्रा का स्वागत किया।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री गजेंद्र पटेल व राष्ट्रीय मंत्री मनोनीत होने के बाद कविता पाटीदार आज इंदौर पहुंचेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा एवं महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा एवं कैलाश पीपले ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय संगठन में पदाधिकारी नियुक्त होने के बाद खरगोन सांसद गजेंद्र पटेल एवं राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार पहली बार आज 25 अगस्त को इंदौर पहुंचेंगे। इंदौर पहुँचने पर भाजपा इंदौर नगर द्वारा दोनों राष्ट्रीय पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया जाएगा। राष्ट्रीय महामंत्री व सासंद गजेंद्र पटेल एवं राष्ट्रीय मंत्री व राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार दोनों दोपहर 12 बजे इंदौर विमानतल पहुंचेंगे। विमानतल पर भाजपा नेताओं द्वारा अगवानी एवं आत्मीय स्वागत किया जाएगा। इसके पश्चात एयरपोर्ट से भाजपा कार्यालय तक विधानसभावार कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न मंचों के माध्यम से भव्य स्वागत किया जाएगा। एयरपोर्ट से ऐरोड्रम थाना तक विधानसभा क्षेत्र सांवेर और देपालपुर के शहरी मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा मंचों के माध्यम से स्वागत किया जाएगा।

पखवाड़ा बीता, कई विभागों में जारी नहीं हो सके प्रमोशन के आदेश

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● डीपीसी होने के बाद भी अनेक विभागों में लोक सेवकों के प्रमोशन आदेश जारी नहीं हो पाये हैं, जबकि स्वयं सीएम के सख्त निर्देश हैं कि डिपार्टमेंटल प्रमोशन कमेटी की बैठक होने के तत्काल बाद आदेश जारी हों, ताकि अविलंब अधिकारी कर्मचारियों को यह लाभ मिल सके। राज्य से लेकर जिला स्तर तक यह स्थिति बनी है।

आयुष, आबकारी, नर्मदाघाटी, पशुपालन सहित कई विभाग ऐसे हैं जहां दो हफ्ते से अधिक समय पहले डीपीसी हुई इसके बाद भी पदोन्नति आदेश जारी नहीं हो पाए। अब इस मामले में वह अधिकारी कर्मचारी सबसे अधिक चिंता में हैं। जिन्हें पदोन्नति पाना है। कारण है कि कई लोगों का इसी माह रिटायरमेंट है। पिछले माह भी कई बिना प्रमोशन के रिटायर हो चुके हैं। इस संदर्भ में अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों की चिंता बढ़ी है। सरकारी सेवकों का कहना है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री को हर विभाग मे प्रमोशन की प्रतिदिन समीक्षा करवाना चाहिए। इसके बाद टाइम लिमिट निर्धारित करना चाहिए। ताकि प्रमोशन प्रक्रिया को गति मिल सके। पदोन्नति की प्रत्याशा में बैठे शासकीय सेवकों का कहना है कि इसके लिए समय सीमा निर्धारित होना बहुत जरूरी है। कारण है कि डीपीसी हुए लंबा समय निकल रहा है। लेकिन आदेश जारी नहीं हो पा रहे हैं। जुलाई महीने की शुरुआत में डीपीसी हुई, पर जानबूझकर प्रमोशन के आदेश जारी नहीं किए गए हैं। इससे हालात यह बने कि इस महीने में कई कर्मचारी बिना पदोन्नतियों के रिटायर हो गए हैं।

वन, पंचायत एवं ग्रामीण, खाद्य औषधि, चिकित्सा शिक्षा उच्च शिक्षा तकनीकी शिक्षा खनिज, जनजातीय कार्य विभाग, आर्थिक सांख्यिकी, गृह जैसे विभागों में डीपीसी के उपरांत भी नहीं हो पाए हैं।

सख्त रवैया : स्वीकृत लंबाई से ज्यादा पाइप लाइन डालने से पहले लेना होगी अतिरिक्त मंजूरी

पाइप लाइन के नाम पर सड़कें खोदकर नहीं छोड़ी जाएं : निगम आयुक्त

- रेस्टोरेशन डी-स्कोप किया तो अफसर जिम्मेदार
- सड़क बहाली के पैसे बचाकर काम निपटाने पर होगी कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों को अधूरा छोड़ने की शिकायतों पर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सख्त रुख अपनाया है। अब ड्रेनेज, स्टॉर्म वाटर और जलप्रदाय पाइपलाइन के काम में सड़क या मार्ग के रेस्टोरेशन को किसी भी हालत में डी-स्कोप नहीं किया जा सकेगा। यदि जरूरत के मुताबिक स्वीकृत लंबाई से अधिक पाइपलाइन बिछानी है तो संबंधित अधिकारी को पहले सक्षम प्राधिकारी से अतिरिक्त वित्तीय स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा।

रेस्टोरेशन के पैसे बचाने के लिए काम सीमित नहीं होगा

आयुक्त ने सभी विभाग प्रमुखों और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पाइपलाइन डालने के दौरान रेस्टोरेशन के लिए स्वीकृत प्रावधान और राशि का पूरा ध्यान रखा जाए। अतिरिक्त पाइपलाइन बिछाने के बाद रेस्टोरेशन का बजट कम पड़ता है, तो सड़क को कच्चा छोड़ने के बजाय पहले अतिरिक्त काम की वित्तीय स्वीकृति ली जाए। निगम के कई विभागों और झोन कार्यालयों में स्थानीय जरूरत या तकनीकी परिस्थितियों के आधार पर स्वीकृत लंबाई से अधिक पाइपलाइन बिछाने के मामले सामने आते रहे हैं।

नगर निगम पर ही बढ़ता है अतिरिक्त बोझ

स्वीकृत बजट से अधिक पाइपलाइन बिछाने के बाद रेस्टोरेशन के लिए राशि नहीं बचने से सड़क या मार्ग का हिस्सा कच्चा रह जाता है। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी होती है और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठते हैं। बाद में उसी स्थान पर सडक निर्माण या दोबारा रेस्टोरेशन की मांग उठती है, जिससे निगम पर अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ता है। आयुक्त ने निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा रेस्टोरेशन कार्य को हटाने अथवा डी-स्कोप करने की स्थिति में उसका उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यानी अब पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क की बहाली को टालना या बजट की कमी का हवाला देना अधिकारियों के लिए आसान नहीं होगा।

जलोदिया पंथ में उपचुनाव स्थगित ग्रामीणजनों में आक्रोश

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

जनपद पंचायत देपालपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम जलोदिया पंथ में सोमवार को आयोजित होने वाला सरपंच पद का उपचुनाव प्रशासनिक अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया। तय समय पर पीठासीन अधिकारी के न पहुँचने के कारण चुनाव प्रक्रिया संपन्न नहीं हो सकी, जिससे ग्रामीणों और पंचायत सदस्यों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत प्रशासन द्वारा सोमवार दोपहर 12 बजे चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने के आदेश जारी किए गए थे। समय रहते चुनावी तैयारियाँ पूरी कर ली गई थीं। मौके पर पुलिस बल, अन्य प्रशासनिक कर्मचारी और सभी पंच मौजूद थे। हालांकि, पूरी तैयारियाँ होने के बावजूद मुख्य पीठासीन अधिकारी मौके पर नहीं पहुँचे। समय सीमा बीत जाने के बाद जब ग्रामीणों और उपस्थित सदस्यों ने अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया, तो उनका फोन बंद प्राप्त हुआ। इसके पश्चात ग्रामीणों ने देपालपुर तहसीलदार संगीता गोलिया से संपर्क साधने की कोशिश की, लेकिन उनसे भी संपर्क नहीं हो सका, जिससे मौके पर असंतोष का माहौल बन गया।

मामले पर संज्ञान लेते हुए देपालपुर अनुविभागीय अधिकारी (SDM) चरणजीत सिंह हुड्डा ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि पीठासीन अधिकारी का स्वास्थ्य अचानक खराब हो जाने के कारण वे समय पर नहीं पहुँच सके। उन्होंने आश्वासन दिया है कि जल्द ही नई तारीख निर्धारित कर निष्पक्ष तरीके से चुनाव प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी।

महेन्द्र सिंह भदौरिया अध्यक्ष निर्वाचित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●राजपूत समाज चेतना मंडल की त्रिवार्षिक साधारण सभा आज होटल अपना एवेन्यू, न्यू पलासिया, इंदौर में संपन्न हुई। सभा के प्रारंभ में सचिव सत्येन्द्र सिंह चौहान द्वारा वर्ष 2025 का वार्षिक आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया, जिसका सदन ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। तत्पश्चात त्रिवार्षिक चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ हुई। चुनाव हेतु वरिष्ठ समाजसेवी प्रेम सिंह सोलंकी को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। उनकी देखरेख में समस्त कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 25 अगस्त 2026

न्यूज ब्रीफ

कांटाफोड़ शिव मंदिर पर बनाई जगन्नाथपुरी की भव्य झांकी, उमड़ा भक्तों का सैलाब

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नवलखा स्थित मनकामेश्वर कांटाफोड़ शिव मंदिर पर सावन के अंतिम सोमवार को भक्तों का सैलाब बना रहा। कोलकाता से आए 21 कलाकारों ने यहाँ जगन्नाथ पुरी के मन्दिर की तर्ज पर भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के विग्रह की इतनी सजीव झांकी बनाई कि देर रात तक हजारों दर्शकों ने इस नयनाभिराम श्रृंगार को अपने मोबाइल कैमरों में संजो लिया। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विष्णु बिंदल, टीकमचंद गर्ग एवं संयोजक बी.के. गोयल ने बताया कि सावन के अंतिम सोमवार को मंदिर पर शाम 6 बजे से कोलकाता के 21 कलाकारों द्वारा बनाई गई भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की प्रतिकृति का रंगबिरंगी रोशनी के बीच प्रभावी और मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रदर्शन किया गया। यह जीवंत झांकी कोलकाता के कलाकारों ने पिछले 10 दिनों के लगातार परिश्रम से बनाई है, जिनके दर्शनार्थ भक्तों का सैलाब देर रात तक बना रहा।

समाज को चाहिए सत्यम, शिवम, सुन्दरम का भाव - पं. शास्त्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • देश में जो द्वादश ज्योतिर्लिंग हैं, उनकी पूजा करोड़ों देवी-देवताओं की पूजा के समान है। यह पूजा-आराधना भगवान शिव की अर्चना जैसी महत्वपूर्ण और फलदायी होती है। वस्तुत: ज्योतिर्लिंग ही सृष्टि का मूल है। शिव पुराण की कथा हम सबके कल्याण और चौराहे पर भटकते व्यक्ति को सही मार्गदर्शन देने की कथा है। शिव और शंकर कल्याण और शांति के ही पर्याय हैं। शिव से 'ई' निकाल देंगे तो शव ही बचेगा। शिव पुराण के लिए भक्ति की निरंतरता और अटूट श्रद्धा-आस्था होना चाहिए। पाप-पुण्य का बोध सत्संग से ही होगा। जो सत्य है, वही कल्याणकारी है, जो कल्याणकारी है वही वास्तविक सौन्दर्य है और जो सुंदर है वही श्रेष्ठ है - यह भाव सबके अंतर्मन में होना चाहिए। तिलक नगर क्षेत्र के कृषि विहार उद्यान स्थित श्री पीपलेश्वर महादेव मंदिर पर चल रही शिव महापुराण कथा में श्रीधाम वृन्दावन के प्रख्यात आचार्य पं. शिवेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भगवान शिव की भक्ति की व्याख्या के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए।

हंसदास मठ पर गंगा अवतरण की जीवंत झांकी निहारने पहुंचे हजारों श्रद्धालु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • एयरपोर्ट रोड, पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर श्रावण मास के उपलक्ष्य में सावन के अंतिम सोमवार को हंसेश्वर महादेव का गंगा अवतरण करने वाले जटाधारी शिवजी के रूप में मनोहारी श्रृंगार किया गया जिनके दर्शनार्थ देर रात तक हजारों श्रद्धालु पहुंचे। मठ पर 108 विद्वानों द्वारा महामंडलेश्वर स्वामी रामचरणदास महाराज के सानिध्य एवं महामडलेश्वर श्रीमहंत पवनदास महाराज के मार्गदर्शन में 'ओम नम: भगवतै वासुदेवाय' तथा 'महामृत्युंजय महामंत्र' के जाप्यानुष्ठान का आयोजन जारी है। सोमवार सुबह एवं शाम को भगवान पद्मनाभ का विष्णु सहस्त्रनाम, श्रीसूक्त एवं पुरुष सूक्त से अभिषेक किया गया। पं. पवनदास महाराज ने बताया कि अन्य विद्वान भी जाप्यानुष्ठान में शामिल हुए। सोमवार शाम हंसेश्वर महादेव का फूलों एवं पत्तियों से जटाधारी शिव के रूप में गंगा अवतरण करते हुए श्रृंगार किया गया। गंगा मैया के नीचे भागीरथी को भी दर्शाया गया। देर रात तक यह जीवंत झांकी देखने के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही।

मिलादुन्नबी जुलूस में दिखेगी गंगा-जमुनी तहजीब

जुलूस इतवारा मस्जिद से शुरू होकर इमामी गेट पर इसका समापन होगा

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल • ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी की ओर से मिलादुन्नबी के मौके पर भव्य जुलूस निकाला जाएगा। कमेटी ने जुलूस के जरिए गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश देने की बात कही है। जुलूस इतवारा मस्जिद से शुरू होकर निर्धारित मार्ग से होते हुए पीरगेट पहुंचेगा और इमामी गेट पर इसका समापन होगा। जुलूस में विभिन्न अखाड़ों के दल भी शामिल होंगे। अखाड़ों की ओर से पारंपरिक कला और शौर्य प्रदर्शन किए जाएंगे। आयोजकों के मुताबिक, यह आयोजन भोपाल की साझा सांस्कृतिक विरासत और आपसी सद्भाव को सामने रखने का माध्यम होगा। 26 अगस्त को जुलूस दोपहर 12 बजे प्रारंभ होगा।

कमेटी के संरक्षक शमशुअल हसन बल्ली ने कहा कि शहर में अलग-अलग संगठनों की ओर से जुलूस निकालने की तैयारियां की जा रही हैं। सभी को अपने स्तर पर आयोजन करने का अधिकार है, लेकिन जो संगठन साथ आना चाहते हैं, उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग स्थानों से आने वाले जुलूसों का समापन इमामी गेट पर एक साथ किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कमेटी सभी सामाजिक और मुस्लिम संगठनों से साथ आने की अपील करती है।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक हस्तक्षेप से कमेटी को आपत्ति है और जुलूस को सामाजिक एवं धार्मिक सौहार्द का मंच बनाए रखना उद्देश्य है।

शमशुअल हसन ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जुलूस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जुलूस में केवल पांच मिनट का समय दें, तो इससे पूरे प्रदेश और देश में भाईचारे का सकारात्मक संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि सांसद, वक्फ बोर्ड के चेयरमैन सनवर पटेल, पूर्व सांसद आलोक संजर, महापौर समेत सामाजिक और मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है।

शिक्षक पात्रता परीक्षा का विरोध, मंत्री-आयुक्त से मुलाकात

स्कूल शिक्षा मंत्री से पात्रता परीक्षा को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने मुलाकात की

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल • स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह से पात्रता परीक्षा को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने मुलाकात की। शिक्षकों की पात्रता परीक्षा के लिए कर्मचारी चयन मंडल द्वारा भराए जाने वाले ऑनलाइन आवेदन का विरोध पात्रता परीक्षा के दायरे में आ रहे शिक्षकों और शिक्षक संगठनों द्वारा किया जा रहा है। इसको लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री और आयुक्त लोक शिक्षण से अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने मुलाकात कर कहा है कि पहले पात्रता परीक्षा के दायरे में आने वाले शिक्षकों की सूची जारी की जाए। वहीं मंत्री की ओर से सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने के बाद सूची जारी करने की बात कही है। अगर परीक्षा होना ही है ऑनलाइन और ऑफलाइन का विकल्प रखा जाए। साथ ही परीक्षा केंद्र जिला और तहसील स्तर पर बनाए जाएं। मंत्री ने शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल को कर्मचारी चयन मंडल से चर्चा करने का आश्वासन दिया है। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश ने आज स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह एवं आयुक्त लोक शिक्षण अभिषेक सिंह से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मोर्चा के प्रतिनिधि मंडल ने 'शिक्षक पात्रता परीक्षा' को लेकर अपना पक्ष रखा। इस मुलाकात के दौरान मोर्चा प्रतिनिधिमंडल ने ऐसे शिक्षकों की वर्षवार, कैडर वार सूची जारी करने को कहा जिनकी पात्रता परीक्षा विभाग लेना चाह रहा है। यह भी कहा गया कि जिन शिक्षकों की

पात्रता परीक्षा लेना ही पड़े, उनकी परीक्षा ऑफ़लाइन या ऑनलाइन होगी, इसका विकल्प शिक्षकों के लिए हो। मोर्चा ने यह भी कहा कि जिनकी परीक्षा होनी है, उनके लिए परीक्षा केंद्र तहसील या जिला स्तर पर हों। परीक्षा का पाठ्यक्रम शिक्षकों के अध्यापन कार्य के स्तर पर आधारित हो। साथ ही वर्ष 2005 से परीक्षा देकर भर्ती हो रहे शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से मुक्त रखा जाए।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा की ओर से बताया गया कि मोर्चा के प्रस्तावों पर शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि वे विभाग एवं कर्मचारी चयन मंडल से चर्चा कर इसका विधिसम्मत हल निकालने का प्रयास करेंगे। मोर्चा के अनुसार तब तक परीक्षा की प्रक्रिया को स्थगित रखा जाएगा।

भूतेश्वर महादेव की शाही सवारी में पुष्प वर्षा, 21 लाख बिल्व पत्रों से पूजा-अर्चना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पंचकुइया स्थित करीब 300 वर्ष प्राचीन श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर की शाही सवारी ने सावन के अंतिम सोमवार की शाम को समूचे पश्चिम क्षेत्र को भगवान भूत भावन की भक्ति से सराबोर बनाए रखा। पूरा क्षेत्र इस शाही सवारी के कारण शिवमय बना रहा। इस बार यात्रा मार्ग पर 200 से अधिक स्वागत मंचों, तोरण द्वारों और भक्तों द्वारा किए गए स्वागत ने अब तक के सारे कीर्तिमान ध्वस्त कर दिए। दूल्हे के रूप में सजे-धजे भूतेश्वर महादेव जब शाही रथ और 5 क्विंटल फूलों से सजी पालकी में विराजित होकर अपने भक्तों को दर्शन देने निकले तो सैकड़ों श्रद्धालु भूत, पिशाच, चुड़ैल और ओघड़ के स्वरूप में साथ हो गए। इस बार 51 लाख बिल्व पत्र से भगवान भूतेश्वर महादेव की पूजा अर्चना का नया कीर्तिमान भी बन गया। शाही सवारी में ढाई सौ से अधिक बारातियों की टीम बग्घी, घोड़े और बैंड-बाजों के साथ ढोल-ताशे तथा नगाडों की मंगल ध्वनि के बीच दूल्हे शिवजी के साथ नाचते गाते हुए चलती रही। यात्रा पंचकुइया स्थित मंदिर प्रांगण से जैसे ही प्रारंभ हुई, समूचा काफिला हर-हर महादेव और भगवान भूतेश्वर के जयघोष से गूंज उठा। श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर के मुख्य पुजारी पं. श्री हरीशानंद तिवारी एवं आचार्य पं. यतीन्द्र तिवारी ने बताया कि भगवान भूतभावन भोलेनाथ इस यात्रा में दूल्हे के रूप में करीब 5 क्विंटल सुगंधित फूलों से सुसज्जित रथ और बिल्व पत्रों से सुसज्जित पालकी में विराजित होकर अपने भक्तों का कुशलक्षेम जानने और दर्शन देने निकले। इस बार मंदिर पर सावन के पहले दिन से प्रतिदिन एक लाख बिल्व पत्रों से भगवान भूतेश्वर की पूजा-अर्चना का क्रम चल रहा है।

51 लाख बिल्व पत्र से पूजा-अर्चना का कीर्तिमान - पं. यतीन्द्र तिवारी ने बताया कि सोमवार को पिछले 88 वर्षों से चल रही परम्परा का निर्वाह करते हुए इस बार भी भूतेश्वर भगवान भक्तों के बीच पहुंचे तो 200 से अधिक स्वागत मंचों से पुष्प वर्षा के साथ बिल्व पत्रों से भी पूजा-अर्चना होती रही।

स्कूली बच्चों ने किया सुन्दरेश्वर महादेव का अभिषेक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • आखिरी सावन सोमवार के पावन अवसर पर सुंदर नगर स्थित सुन्दरेश्वर महादेव मंदिर में श्री हरि पब्लिक स्कूल के 1200 से ज्यादा बच्चो ने महारूद्राभिषेक किया, हर हर महादेव के जयकारे लगे। डायरेक्टर विवेक तिवारी व आनंद चौकसे ने बताया कि बच्चों की एकाग्रता बढ़ाने, मन को शांतचित्त बनाए रखने के लिए अंतिम सोमवार के अवसर पर सुबह स्कूली बच्चों ने आचार्यों व पंडितो की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चारो के बीच दूध दही शहद पंचामृत व जल से पीपलेश्वर महादेव का महारूद्राभिषेक किया। बच्चो ने हर हर महादेव के जयकारे लगाए।

सोमनाथ महादेव की भव्य पालकी यात्रा निकाली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्री सोमनाथ महादेव की भव्य पालकी यात्रा उमंग पार्क पदमालय कॉलोनी से सोमनाथ महादेव मंदिर से शुरू हुई। विद्या पैलेस शिव मंदिर से होते हुए वापिस मंदिर पर समापन हुई जानकारी देते हुए। श्रीमाता वैष्णों देवी दर्शन सेवा समिति इंदौर के यात्रा आयोजक गोपाल बैरागी ने बताया कि पालकी यात्रा का ये दूसरा वर्ष हे जिसमें क्षेत्र की बड़ी संख्या में कालोनी के रहवासी शामिल हुए घर घर महादेव जी की आरती हुई महिलाओं में काफी उत्सव से पालकी यात्रा निकाली यात्रा में योगेन्द्र महंत,पार्षद ममता सुभाष सुनेर, कृष्णा बैरागी, राहुल अग्रवाल, काजल, सुमन वैष्णव,पूजा जोशी, सारिका पुरोहित, ममता भदौरिया, शिवानी यादव सभी महिला क्षेत्र की अधिक से अधिक शामिल हुई।

अन्नपूर्णा मंदिर से निकली भोलेनाथ की शाही सवारी का पूरे क्षेत्र में जगह-जगह हुआ पूजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के पश्चिमी क्षेत्र स्थित प्राचीन अन्नपूर्णा मंदिर पर श्रावण मास के अंतिम सोमवार को भक्त मंडल के तत्वावधान में भगवान भोलेनाथ की शाही सवारी निकाली गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर स्थित नीलकंठेश्वर महादेव का मनोहारी श्रृंगार भी भक्तों के लिए आकर्षण एवं श्रद्धा का केंद्र बना रहा। सुबह विद्वान पंडितों द्वारा महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि के सानिध्य में लघु रूद्र एवं सहस्त्रार्चन अनुष्ठान भी किया गया। आश्रम के संचालक स्वामी जयेन्द्रानंद गिरि ने बताया कि अंतिम सोमवार को मंदिर परिसर से दशहरा मैदान मेन रोड, उषा नगर, रणजीत हनुमान तिराहे से नरेन्द्र तिवारी मार्ग होते हुए पुन: मंदिर तक भगवान भोलेनाथ की शाही सवारी का आयोजन किया गया, जिसमें ढोल-ढमाकों और बैंड-बाजों सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। क्षेत्र के विधायक मधु वर्मा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, पूर्व विधायक गोपीकृष्ण नेमा, पार्षद अभिषेक बबलू शर्मा, शानू शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। सैकड़ों श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की पालकी और रथ को हाथों से खींचकर चलते रहे। भक्तों में पालकी को उठाने की स्पर्धा पूरे समय बनी रही। विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करने के बाद शाही सवारी पुन: मंदिर पहुंची जहाँ मन्दिर ट्रस्ट परिवार की ओर से सत्यनारायण शर्मा, टीकमचंद गर्ग, सुनील गुप्ता आदि ने आरती में भाग लिया।

29 अगस्त तक चलेगा श्रावण मास शिव आराधन अनुष्ठान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कालानी नगर स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर हुजूरगंज में चौथे सावन सोमवार के अवसर पर महिलाओ ने 1 लाख पार्थिव शिवलिंग का पूजन कर रुद्राभिषेक आचार्य पंडित शैलेन्द्र तिवारी के सानिध्य किया। श्रावण मास शिव आराधना महीनेभर 29 अगस्त तक चलेगा। भक्त मंडल के पं. सुमित अवस्थी ने बताया कि चौथे सावन सोमवार पर सुबह महिलाओं ने पार्थिव शिवलिंग का निर्माण शुरू किया, महिलाओं ने मिट्टी से 51 हजार से ज्यादा पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया उसके बाद आचार्य पंडितों की उपस्थिति में आचार्य प्रांजुल मिश्रा के आचार्यत्व में वेद मंत्रों के बीच पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक करके पूजन अर्चन किया गया, महाआरती की गई। महादेव का विशेष श्रृंगार भी किया गया।

श्रावण मास शिव आराधना 29 अगस्त तक प्रतिदिन वेद मंत्रों के बीच नि:शुल्क पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक सुबह 10 बजे 1 बजे तक होगा। पूजन की सारी सामग्री मंदिर में ही भक्तों को वितरित की जा रही है।

इस अवसर पर पं गोविन्द अवस्थी दीपू मिश्रा नवीन तिवारी गिरजाशंकर शुक्ला डाकार सिंह दिखित बब्बी पांडे अजय अवस्थी बंटू ठाकुर लक्ष्मण सिंह चौहान गोलू तिवारी मितेश जेन विनोद सरेल सोनू नामदेव राजा नामदेव सुभम यादव करण सिंह तोमर शुभ अवस्थी सहित अन्य मौजूद थे।

लादूनाथ आश्रम पर नीलकंठेश्वर महादेव का बर्फानी धाम के रूप में किया श्रृंगार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • माली मोहल्ला एमओजी लाइंस स्थित तपोनिष्ठ संत लादूनाथ महाराज गुरु आश्रम न्यास समिति के तत्वावधान में श्रावण के अंतिम सोमवार को मंदिर पर महंत रामकिशन महाराज के सानिध्य में सभी प्रतिमाओं का आकर्षक श्रृंगार किया गया। मंदिर स्थित संत लादूनाथ की प्रतिमा के साथ ही महाप्रचंड हनुमानजी एवं नीलकंठेश्वर महादेव का बर्फानी धाम के रूप में 51 किलो बर्फ से बाबा अमरनाथ के रूप में श्रृंगार किया गया।

गीता भवन में नमक-चमक विधि से विद्वानों ने किया शिवजी का रुद्राभिषेक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्रावण के अंतिम सोमवार को गीता भवन में बुलढाना महाराष्ट्र से आए स्वामी त्र्यम्बक गिरि महाराज के सानिध्य एवं विद्वान आचार्यों के निर्देशन में सुबह गीता भवन स्थित सभी देवालयों का विशेष श्रृंगार किया गया। शिव मंदिर पर फूलों, गुब्बारों एवं बिल्व पत्रों से भगवान भोले शंकर का श्रृंगार कर रुद्राभिषेक भी किया गया।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

ज़िंदगी को उत्सव बनाइये

बचपन में लगता है पढ़-लिख लूँ तो फलाँ नौकरी या व्यापार कर लूँगा। उसमें सफल हो गया तो बंगला, कार ले लूँगा। बंगला, कार आ जाएगा तो...ऐसे हज़ार नए सपने, हजारों नई उम्मीदें! 'चचा गालिब कहते हैं हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले; बहुत निकले मेरे अरमान लेकिन फिर भी कम निकले।' मुट्ठी से फिसलती रेत की तरह वक़्त निकलता चला जाता है। पता ही नहीं चलता है और ज़िन्दगी की पारी ख़त्म हो जाती है। हम ज़िंदगी को तीन भागों में बाँटें तो बीस साल की उम्र तक हमारे पास एनर्जी तो होती है पर समय और पैसा नहीं होता। बीस साल से साठ साल तक की उम्र में एनर्जी भी रहती है पैसा भी पर समय नहीं रहता है। साठ साल के बाद पैसा भी रहता है, समय भी रहता है पर एनर्जी नहीं रहती। जिन्दगी जीने का सही फार्मूला यही है। कि 20 से 60 तक व्यक्ति के पास पैसे और एनर्जी तो हैं ही। टाइम मैनेजमेंट कर के कुछ अतिरिक्त समय चुराकर निकाल लिया जाए और ज़िन्दगी का आनंद भी लिया जाए। एक ज़रूरी काम और! 20 से 60 के बीच खान-पान और व्यायाम से शरीर को इतना फिट बना लेना चाहिए कि बाद में जब समय और पैसा रहे तो एनर्जी की कमी क़तई महसूस ना हो। बेहतर ज़िन्दगी की अगर कोई परिभाषा हो तो मैं कहना चाहूँगा कि चार चीजें चाहिए, मनचाहा करने की आज़ादी, समय, ऊर्जा और पैसा। विदेशों में लाइफ़ स्टाइल कुछ ऐसी है कि लोग एक उम्र के बाद खुद ही अपने काम से रिटायर हो जाते हैं। उन्हें एहसास होता है कि जिंदगी एक ही है। इसे महज़ काम करते हुए नहीं गँवा सकते। हम हिन्दुस्तानी पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं इसलिए ज़्यादा शिकायत नहीं करते। यदि दुकान पर बैठते हैं तो पूरी उम्र वहीं बैठकर ही निकाल देंगे और दुकान से जब निकलते हैं तो चार कंधों पर ही निकलते हैं। जीने का यह तरीका गलत है। जीवन में रोमांच और उत्साह होना चाहिए। इसके लिए ज़रूरी यह है कि जिंदगी में होश रखा जाए और लक्ष्य निर्धारित किए जाएँ। बेहोशी से जीते-जीते लोग अपने आप को एक दिन अस्पताल में पाते हैं। जब होश आता है तो सोचते हैं हाय! हमने जिंदगी के साथ ये क्या किया। दुनिया में दो तरह के लोग मिलते हैं। कुछ ऐसे जिनके पास सब कुछ है फिर भी कुछ और...कुछ और के लिए दु:खी हैं। अनावश्यक लालसा वाला व्यक्ति हमेशा भूखा रह जाता है। कुछ इंसान ऐसे भी मिल जाते हैं जो भोगते कम है और भुगतते ज़्यादा हैं फिर भी जिंदगी से ऐसे लबरेज़ नज़र आते हैं कि भुगता हुआ भी भोगा हुआ नज़र आता है। इसलिए रास्ते में खूबसूरत फूल दिखें तो उन्हें निहारने का आनंद वहीं उठा लो। सफर पूरा करने की जल्दी में ये खुशी हाथ से निकल जाएगी।

- सतीश शर्मा

नकली दवाओं का देशव्यापी जानलेवा जाल, कब और कैसे रूकेगा ?

देशभर में कुकुरमुत्ते की तरह फैल रहा नकली और मिलावटी दवाओं का अवैध कारोबार अब महज़ एक सामान्य आर्थिक या संगठित अपराध नहीं रह गया है। यह सीधे तौर पर भारतीय नागरिकों के बुनियादी संवैधानिक अधिकारों, विशेषकर जीवन के अधिकार पर सबसे क्रूर और अमानवीय प्रहार बन चुका है। बीमारियाँ जब इंसान को घेरती हैं, तो वह पूर्ण समर्पण और अटूट विश्वास के साथ अपनी गाढ़ी कमाई लेकर मेडिकल स्टोर की तरफ दौड़ता है। उसे यह भ्रम होता है कि डॉक्टर के पर्चे पर लिखी गोलियां या इंजेक्शन उसके या उसके प्रियजनों के जीवन की रक्षा करेंगे। परंतु, मुनाफे की अंधी हवस में डूबे सफेदपोश अपराधियों ने आज उस पवित्र भरोसे को मौत के जाल में तब्दील कर दिया है। हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों और विशेष रूप से हरियाणा में सामने आए डरावने मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दवाओं की जालसाजी का यह मकड़जाल हमारी संपूर्ण चिकित्सा और प्रशासनिक व्यवस्था की जड़ों को भीतर ही भीतर पूरी तरह खोखला कर चुका है।

हरियाणा के औद्योगिक और आधुनिक केंद्र गुरुग्राम से लेकर सुदूर ग्रामीण अंचलों तक खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा किए गए हालिया खुलासे किसी भी संवेदनशील समाज की रूह को कंपा देने के लिए पर्याप्त हैं। गुरुग्राम में उच्च रक्तचाप जैसी आम लेकिन बेहद संवेदनशील बीमारी के इलाज के लिए बड़े पैमाने पर उपयोग की जाने वाली दवा 'टेल्मा-एएम' की भारी मात्रा में नकली खेप का पकड़ा जाना इस बात का साक्ष्य है कि रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी दवाएं भी अब सुरक्षित नहीं हैं। इसके साथ ही, मधुमेह और वजन नियंत्रित करने वाले करीब 70 लाख रुपये के नकली 'मौनजारो' इंजेक्शनों के अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ होने से हड़कंप मच गया है। जांच एजेंसियों ने जब इस काले साम्राज्य के धागे टटोले, तो परत-दर-परत जो हकीकत सामने आई, वह व्यवस्था को आईना दिखाने वाली है। इन नकली दवाओं के निर्माण की कड़ियाँ उत्तराखंड के रुड़की में चल रही अवैध और बिना लाइसेंस वाली फैक्ट्रियों से जुड़ी थीं। वहां से यह जानलेवा माल उत्तर प्रदेश के रास्ते दिल्ली के थोक बाजारों में पहुंचता था और बिना किसी जांच-परख या बाधा के हरियाणा के प्रतिष्ठित मेडिकल स्टोरों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के केमिस्ट काउंटरों पर धड़ल्ले से बेचा जा रहा था। इस भयावहता की पराकाष्ठा केवल रक्तचाप या मधुमेह की दवाओं तक सीमित नहीं है। इसी के समानांतर दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और मुंबई तक

फैले कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों की नकली दवाओं के अंतरराज्यीय रैकेट की हालिया गिरफ्तारियों ने इंसानियत को पूरी तरह शर्मसार कर दिया है। इस सिंडिकेट के अपराधियों द्वारा उन लाचार और अंतिम सांसें गिन रहे कैंसर मरीजों को निशाना बनाया जा रहा था, जिनके परिवार अपनी संपत्ति और गहने बेचकर लाखों रुपये के जीवनरक्षक इंजेक्शन खरीदते हैं। उन इंजेक्शनों में जीवनदायिनी औषधियों के स्थान पर केवल डिस्टिल्ड वॉटर, उबला पानी या ग्लूकोज का घोल भरकर बेचा जा रहा था। जब कोई मरीज ऐसी नकली कीमोथेरेपी दवाओं का सेवन करता है, तो दवा के बेअसर रहने से उसका रोग अनियंत्रित गति से बढ़ता है और अंततः उसकी असामयिक व तड़प-तड़प कर मौत हो जाती है। यह किसी भी लिहाज से केवल धोखाधड़ी का मामला नहीं, बल्कि ठंडे दिमाग से की गई सामूहिक और संस्थागत हत्या है। इस जघन्य कृत्य में शामिल अपराधियों को हत्यारों की श्रेणी में ही रखा जाना चाहिए।

आखिर ऐसा क्या है कि तमाम दावों और छापों के बावजूद यह धंधा देश भर में फल-फूल रहा है? इस गंभीर संकट के पीछे सबसे बड़ी वजह राज्यों की सीमाओं से परे फैला 'मल्टी-स्टेट सप्लाई चैन' का जटिल और पारदर्शी विहीन होना है। इसके साथ ही देश के दवा नियामक तंत्र की सुस्ती और भ्रष्टाचार भी इसके लिए बराबर के जिम्मेदार हैं। अपराधी बड़ी ही चतुराई से एक राज्य के दूरदराज या अनधिकृत इलाके में नकली विनिर्माण इकाई स्थापित करते हैं। वहां से दवाओं को दूसरे राज्य के बोगस या नकली बिलों के जरिए कागजी तौर पर वैध रूप दे दिया जाता है। इसके बाद, तीसरे राज्य के थोक और खुदरा बाजारों में उन्हें भारी डिस्काउंट या लालच देकर खपा दिया जाता है। हरियाणा के मामले में भी यही देखा गया कि खुदरा दवा विक्रेता कंपनियों द्वारा तय एमआरपी पर भारी छूट का लालच पाकर बिना किसी वैध सोर्स या इनवॉइस की जांच किए इन दवाओं को खरीद लेते थे और मरीजों को पूरे दाम पर बेचते थे। यह सीधे तौर पर नियामक एजेंसियों की नाक के नीचे होने वाली आपराधिक लापरवाही है। देश में ड्रग्स इंस्पेक्टरों की भारी कमी और उपलब्ध अमले की कार्यप्रणाली पर उठते सवाल इस समस्या को और अधिक जटिल बना देते हैं।

इस महामारी नुमा संकट से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अब केवल पारंपरिक छापों, सीमित मात्रा में जब्ती और कागजी कानूनी औपचारिकता से काम नहीं चलने वाला है। यद्यपि हरियाणा सरकार और वहां के एफडीए द्वारा हाल ही में की गई 16 गिरफ्तारियां और कड़े कदम एक सराहनीय शुरुआत हैं, लेकिन विशालकाय अवैध साम्राज्य को देखते हुए यह महज 'आइसबर्ग की नोक' यानी समुद्र में तैरती बर्फ का एक छोटा सा सिरा मात्र है। इस सिंडिकेट को जड़ से उखाड़ने के लिए केंद्र और सभी राज्य सरकारों को दलगत राजनीति और क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर उठकर एक ठोस राष्ट्रीय नीति के तहत युद्ध स्तर पर काम करना होगा। इसके लिए सबसे पहले पूरी दवा आपूर्ति श्रृंखला में 'ट्रैकिंग और ट्रेसिंग' को अभेद्य बनाना अनिवार्य है। देश के भीतर निर्मित या बिकने वाली हर छोटी-बड़ी दवा की पट्टी या शीशी पर एक ऐसा यूनीक, फुल-प्रूफ और अनिवार्य क्यूआर कोड या बारकोड ट्रैकिंग सिस्टम लागू होना चाहिए जो सीधे केंद्रीय डेटाबेस से जुड़ा हो। इसके माध्यम से कोई भी साधारण नागरिक अपने स्मार्टफोन से स्कैन करके तुरंत यह जान सके कि दवा असली है या नकली, उसे किस फैक्ट्री में बनाया गया है और उसका वैध बैच नंबर क्या है। तकनीक का यह लोकतांत्रीकरण ही पारदर्शिता की सबसे बड़ी गारंटी बन सकता है।

इसके साथ ही, हमारे देश के पुराने पड़ चुके कानूनी ढांचे में आमूलचूल बदलाव की महती आवश्यकता है। वर्तमान में 'औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम' के तहत मुकदमेबाजी के वर्षों तक खिंचने के कारण अपराधी आसानी से जमानत पाकर दोबारा उसी अवैध धंधे में लिप्त हो जाते हैं। समय आ गया है कि दवाओं के इस काले कारोबार को आतंकवाद के समकक्ष गंभीर अपराध माना जाए। इसके लिए देश भर में विशेष 'फास्ट-ट्रैक कोर्ट' का गठन हो, जहां छह महीने के भीतर मुकदमों का फैसला सुनिश्चित किया जा सके। नकली दवाओं के निर्माण, भंडारण और वितरण में शामिल मास्टरमाइंड से लेकर केमिस्ट तक, पूरे नेटवर्क के दोषियों के लिए बिना किसी रियायत के उम्रकैद या मृत्युदंड जैसी कठोरतम सजा का कानूनी प्रावधान होना चाहिए। साथ ही, उनकी अवैध रूप से अर्जित की गई चल-अचल संपत्तियों को तुरंत कुर्क कर उससे पीड़ितों या उनके परिवारों को मुआवजा देने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

दवा विक्रेताओं की जवाबदेही तय किए बिना इस लड़ाई को जीतना असंभव है। हर छोटे-बड़े केमिस्ट और हॉस्पिटल के लिए यह कानूनी रूप से अनिवार्य होना चाहिए कि वे केवल पंजीकृत और प्रमाणित थोक विक्रेताओं से ही दवाएं खरीदें और उनका पूरा पक्का इनवॉइस रिकॉर्ड बनाए रखें। जो भी मेडिकल स्टोर बिना वैध दस्तावेजों या भारी डिस्काउंट के लालच में आकर संदिग्ध स्रोतों से दवाएं खरीदता पाया जाए, उसका लाइसेंस तुरंत और स्थायी रूप से निरस्त कर दिया जाना चाहिए। इसके अलावा, उपभोक्ताओं में भी जागरूकता का प्रसार करना होगा कि वे हमेशा पक्का बिल लेने की आदत डालें और दवा की सील या पैकेजिंग में किसी भी प्रकार की विसंगति दिखने पर तुरंत स्थानीय औषधि निरीक्षक को सूचित करें। दवाएं इंसान को नया जीवन देने और पीड़ा को हरने के लिए खोजी गई थीं, उन्हें चंद सिक्कों की खातिर किसी की मौत का जरिया नहीं बनने दिया जा सकता। यदि समय रहते इस राष्ट्रीय संकट पर पूरी कठोरता और ईमानदारी से काबू नहीं पाया गया, तो देश की संपूर्ण चिकित्सा और लोकतांत्रिक व्यवस्था से आम जनता का भरोसा हमेशा के लिए उठ जाएगा।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

किराए में 50% छूट की मांग, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी ●विजय स्तंभ चौराहे पर विद्यार्थियों ने बस किराए में 50% छूट की मांग को लेकर करीब 1 घंटे तक धरना दिया।एबीवीपी के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में छात्रों ने कहा कि बस किराया बढ़ने से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। प्रदर्शन की सूचना पर कुक्षी पुलिस और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। छात्र संगठनों ने तहसीलदार को कलेक्टर और स्थानीय विधायक के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में स्कूल और कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों को यात्री बसों के किराए में 50% छूट देने की मांग की गई। धरने पर बैठे छात्रों से स्थानीय विधायक सुरेंद्रसिंह हनी बघेल ने वीडियो

कॉल पर बात की। उन्होंने छात्रों की समस्याएं सुनीं और जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

विद्यार्थियों ने बताया कि जिले के कई छात्र रोज गांवों और कस्बों से दूर स्कूल और कॉलेज जाते हैं। इनमें से कई निजी यात्री बसों से सफर करते हैं। बस किराया बढ़ने से उनके परिवारों पर एक्सट्रा खर्च बढ़ गया है। छात्रों ने कहा कि किराए में 50% छूट मिलने से उन्हें राहत मिलेगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी रोज स्कूल और कॉलेज जा सकेंगे। संगठनों ने इसके लिए दिशा-निर्देश जारी करने और बस संचालकों से सहयोग करने की मांग की है।

कांवड़ियों से भरा ट्रैक्टर पुल से नीचे गिरा, स्टीयरिंग फेल होने से ट्रॉली बेकाबू, 1 की मौत, 19 घायल

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी ● धार जिले के कुक्षी थाना क्षेत्र में सावन के चौथे अंतिम सोमवार को नर्मदा जल लेने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पुल से नीचे गिर गई। हादसे में 19 श्रद्धालु घायल हो गए। राजू पकाव नाम के युवक की मौत हुई है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि दो युवक गंभीर रूप से घायल थे, जिन्हें इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया है। बड़वानी जिला अस्पताल के डॉक्टर एसएन पाटीदार ने बताया कि धार से 18-19 मरीज यहां भर्ती हैं। इनमें से 6 से 7 की हालत गंभीर है। उनके सिर, कमर, हाथ और पेट में चोटें हैं। घटना निसरपुर चौकी क्षेत्र के ग्राम कडमाल से करीब एक किलोमीटर दूर एक पुल पर हुई। श्रद्धालु पुराने चिखलदा की ओर नर्मदा जल लेने के लिए कावड़ यात्रा पर निकले थे। पुल पर पहुंचते ही ट्रैक्टर का स्टीयरिंग फेल हो गया। ड्राइवर वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रैक्टर-ट्रॉली पुल से नीचे गिर गई।

हादसे के समय ट्रैक्टर-ट्रॉली में लगभग 30 श्रद्धालु सवार थे। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही कुक्षी पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को बाहर निकाला। घायल 20 श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार दिया गया। उनकी गंभीर

स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए बड़वानी जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस हादसे के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है। प्रत्यक्षदर्शी मनोहर पाटीदार के अनुसार, ट्रॉली सवार लोग नर्मदा जल लेने जा रहे थे। वे पिछले 4 साल से लगातार कांवड़ यात्रा पर जाते हैं। गांव के राम मंदिर से करीब 30-35 महिला और पुरुष बैठे थे। इनमें से 4 लोगों को ज्यादा चोट लगी है। प्रत्यक्षदर्शी मनोहर के मुताबिक कड़माल में बने नए पुल पर पहुंचते ही स्टीयरिंग फेल हो गया और ट्रैक्टर पुल से नीचे उतर गया। किसी के सिर, हाथ या कमर में चोट लगी है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

महंगाई को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, नेताओं ने पहनी शक्कर की माला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● महंगाई के मुद्दे पर कांग्रेस ने रविवार को अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। शहर कांग्रेस के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता गांधी भवन से केवलराम चौराहे तक पहुंचे और केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान एक युवक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुखौटा पहनाया गया। उसके हाथ में चाय की केटली थमाई गई। युवक चाय की केटली लेकर लोगों का अभिवादन करता हुआ प्रदर्शन में शामिल रहा।

प्रदर्शन के समापन पर कांग्रेस नेताओं ने पीएम मोदी का मुखौटा पहने युवक का घरेलू राशन सामग्री से तुलादान कराया। इस दौरान नेताओं ने गले में शक्कर की मालाएं भी पहनीं और बढ़ती खाद्य वस्तुओं की कीमतों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि महंगाई का सीधा असर आम आदमी की रसोई और घरेलू बजट पर पड़ रहा है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा रघुवंशी ने कहा कि बेतहाशा महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़कर रख दी है। खाने-पीने की लगभग हर वस्तु के दाम बढ़ गए हैं।

उन्होंने शक्कर की कीमतों में वृद्धि का मुद्दा उठाते हुए कहा कि गन्ने का इस्तेमाल शक्कर के बजाय इथेनॉल उत्पादन में किए जाने से शक्कर की उपलब्धता और कीमतों पर असर पड़ा है। रघुवंशी ने इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इथेनॉल की मिलावट के कारण वाहनों के इंजन और माइलेज को लेकर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर निजी हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को जनता की समस्याओं और महंगाई पर ध्यान देना चाहिए।

कांग्रेस के प्रदर्शन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुखौटा पहने युवक आकर्षण का केंद्र रहा। युवक ने हाथ में चाय की केटली थाम रखी थी और वह प्रदर्शन के दौरान लोगों का अभिवादन करता रहा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महंगाई के मुद्दे को लेकर सरकार के खिलाफ नारे लगाए। बाद में इसी युवक को तुलादान के लिए तराजू पर बैठाया गया और दूसरी ओर घरेलू राशन सामग्री रखी गई। कांग्रेस नेताओं ने इस प्रदर्शन के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की कि महंगाई बढ़ने से आम परिवार के लिए रोजमर्रा की जरूरतों का सामान जुटाना मुश्किल होता जा रहा है।

प्रदर्शन में ये नेता रहे मौजूद

विरोध प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर, पार्षद मनोज मंडलोई, दिव्यांश ओझा, इमरान गौरी, यशवंत सिलावट सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महंगाई पर नियंत्रण की मांग उठाई।

'शराब बेचने वाला बोला- विधायक मेरा मामा हैं'

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● पिपलोद थाना क्षेत्र के ग्राम खिड़गांव में शराबबंदी की मुहिम के दौरान राजनीतिक धौंस दिखाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि गांव में डायरी सिस्टम के जरिए शराब बेच रहे एक युवक ने खुद को विधायक कंचन तनवे का भांजा बताया और शराब बिक्री बंद करने की समझाइश देने पर कहा कि उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। दरअसल, ग्रामीण और सामाजिक कार्यकर्ता गांव में शराबबंदी को लेकर लोगों को जागरूक करने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने सदानंद नाम के युवक को डायरी पर शराब बेचते हुए बताया कि इस तरह शराब बेचना अवैध है। उन्होंने पुलिस में शिकायत करने और कार्रवाई की चेतावनी देते हुए शराब बिक्री बंद करने की समझाइश दी, ताकि गांव में नशे का कारोबार रोका जा सके।

आरोप है कि समझाइश के बजाय युवक ने राजनीतिक पहुंच का हवाला देते हुए तेवर दिखाए। उसने कहा कि वह कोई मामूली आदमी नहीं है। विधायक कंचन तनवे और उनके पति मुकेश तनवे उसके मामा-मामी हैं। युवक की इस बात पर ग्रामीणों और खासकर स्कूली बच्चों ने विरोध जताना शुरू कर दिया। विरोध बढ़ने पर सदानंद ने विधायक कंचन तनवे के पति मुकेश तनवे को फोन लगाया और मोबाइल सामाजिक कार्यकर्ता ममता मोरे को दे दिया। फोन विधायक कार्यालय में मुकेश तनवे के पीए सुनील ने उठाया। ममता मोरे ने मुकेश तनवे या विधायक कंचन तनवे से बात कराने को कहा, लेकिन पीए ने दोनों के व्यस्त होने की बात कही।

इसी दौरान सदानंद ने फोन पर खुद को विधायक का भांजा बताते हुए कहा कि वह सदानंद बोल रहा है और मुकेश तनवे व कंचन तनवे उसके मामा-मामी हैं। हालांकि उसकी विधायक या उनके पति से सीधे बात नहीं हो सकी। इसके बाद सामाजिक कार्यकर्ता ममता मोरे ने संबंधित शराब ठेकेदार को फोन कर खिड़गांव में डायरी पर शराब बिक्री बंद करने को कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि शराब बिक्री जारी रहने पर ग्रामीणों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इसके बाद शराब ठेकेदार ने गांव में शराब नहीं बेचने की बात कही। सहायक जिला आबकारी अधिकारी चंदनसिंह मीणा ने बताया कि, सामाजिक संगठन और ग्रामीणों से मिलने वाली शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है। डायरी सिस्टम की जानकारी उन्हें नहीं है। यदि कोई शराब ठेकेदार गांवों में अन्य लोगों से शराब बिकवाता है तो यह अवैध है, शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

देपालपुर के पहलवान हरिओम पूरी ने राष्ट्रीय कुश्ती में जीता स्वर्ण

एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयन

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● नगर में स्थित श्री शिव शक्ति व्यायामशाला के होनहार पहलवान हरिओम पूरी गोस्वामी ने राष्ट्रीय ग्रेपलिंग कुश्ती चैंपियनशिप 2026 (राष्ट्रीय सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता) में स्वर्णिम सफलता हासिल कर देपालपुर नगर का नाम देशभर में रोशन किया है। प्रतियोगिता 20 से 23 अगस्त 2026 तक हरिद्वार (उत्तराखंड) के वंदना कटारिया स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में हरिओम ने 66 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ ही उनका चयन वियतनाम में होने वाली आगामी एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हो गया है, जहाँ वे देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। हरि ओम पूरी पिछले 8 वर्षों से मध्य प्रदेश खेल अकादमी, टी.टी. नगर स्टेडियम (भोपाल) में रहकर कुश्ती की बारिकियाँ सीख रहे हैं और कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनकी इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर क्षेत्रीय विधायक मनोज पटेल, कुश्ती कोच महासिंह, सुमित शेरावत, शिव शक्ति व्यायामशाला के संचालक महेशपूरी गोस्वामी, जयपूरी गोस्वामी, दीनदयाल चौबे, योगेन्द्र यादव, ईश्वरीय प्रकाश शर्मा और रायसिंह पहलवान सहित नगर के खेल प्रेमियों ने खुशी जताते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

एशियाई खेलों में पदक की प्रबल दावेदार है भारतीय टेबल टेनिस टीमः हरमीत देसाई

सूरत (एजेंसी) ● एशियाई खेलों के लिए भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम में शामिल हरमीत देसाई का कहना है कि उनकी टीम इस बार पदक जीतने के इरादे से उतरेगी। हरमीत के अनुसार भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन है जिससे टीम प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। साथ ही कहा कि भारतीय टीम एशिया की सबसे मजबूत टीमों को भी कड़ी टक्कर देने में सक्षम है। उन्होंने कह कि अभी टीम एशियाई खेलों के लिए अभ्यास में लगी है।

भारतीय पुरुष टीम में हरमीत के अलावा मानव ठक्कर, मानुष शाह, जी. साथियान और पायस जैन जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। हरमीत ने कहा कि उनकी टीम बेहद संतुलित होने के साथ ही बड़े मुकाबलों के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम ने पहले भी विश्व की र्ष टीमों के खिलाफ अपनी क्षमता साबित की है। हरमीत के अनुसार, जब हमारा दिन अच्छा रहा है और फॉर्म साथ रही है, तब हमने बड़ी टीमों को मात दी है। इस बार भी हमारा लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश के लिए पदक जीतना है।

उन्होंने कहा कि टीम शीर्ष एशियाई खिलाड़ियों के खिलाफ नियमित मुकाबले खेलकर अपनी तैयारियों को पुख्ता कर रही है। कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में जापान, चीन और कोरियाई खिलाड़ियों का लगातार सामना करने से भारतीय खिलाड़ी उनकी तकनीक और खेल के स्तर को बेहतर तरीके से समझने लगे हैं, जिससे उनकी अपनी खेल शैली में भी काफी सुधार हुआ है। हरमीत स्वयं जर्मनी में अपने चीनी कोच फू योग के मार्गदर्शन में नियमित रूप से प्रशिक्षण लेते हैं, जो उन्हें दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों की बारीकियों को समझने में मदद करता है। साथ ही कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान आए पेशेवर बदलावों से भी टीम बेहतर हुई है। अहम कारण बताया। उन्होंने कहा कि आज हर खिलाड़ी के पास अपनी अलग सपोर्ट टीम है, जिसमें व्यक्तिगत कोच, स्पैरिंग पार्टनर, फिजियोथेरेपिस्ट, फिजिकल ट्रेनर और डाइटीशियन शामिल हैं। यह एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि पांच-छह साल पहले अधिकांश खिलाड़ियों के पास ऐसी सुविधाएं नहीं होती थीं। इस प्रगति में सरकार की बढ़ी हुई आर्थिक मदद, कॉरपोरेट प्रायोजकों की एंट्री और नियमित लोगों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत हॉकी टीम वर्ल्ड कप से बाहर, अर्जेंटीना से 5-3 से हारकर टूटा खिताब का सपना

एम्सटेलवीन(एजेंसी) ●भारतीय पुरुष टीम हाकी वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई है। उसे सोमवार को अर्जेंटीना ने 5-3 के अंतर से हराया। एम्सटेलवीन के वेगनर स्टेडियम में भारतीय टीम पहले ही मिनट से पिछड़ गई। जब जोआक्विन टोस्कानी ने फील्ड गोल दागा। पांचवें मिनट में निकोलस डेला टोरे ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बढ़त को 2-0 कर लिया। 10वें मिनट में सुखजीत सिंह ने फील्ड गोल करके वापसी करवाई। हाफ टाइम तक इंडिया 1-2 से पिछड़ रहा था। तीसरे क्वार्टर में टॉमस डोमेने ने 32वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर और 44वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल दागे। 52वें मिनट में लुकास टोस्कानी ने फील्ड गोल किया। 57वें मिनट में सुखजीत के फील्ड गोल और 58वें मिनट में हार्दिक सिंह के पेनल्टी स्ट्रेक पर आए गोल ने हार का अंतर कम किया।

हिंदी ज़ी5 पर 28 अगस्त को रिलीज होगी समीक्षकों की सराहना पा चुकी बंदर; अनुराग कश्यप के निर्देशन में बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगे बॉबी देओल

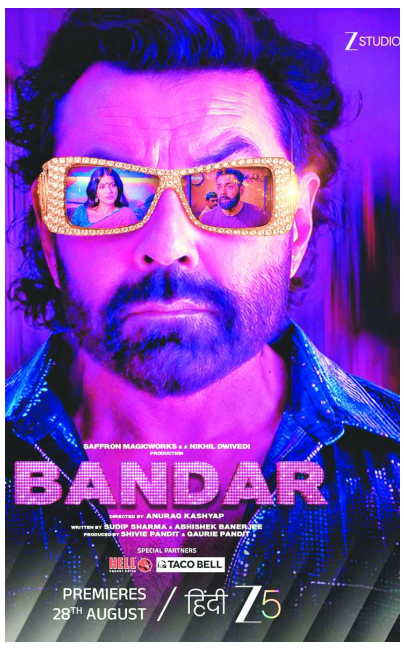

मुंबई (एजेंसी) ● हिंदी ज़ी5 पर अलग-अलग नजरिए से दमदार कहानियां देखने को मिलती हैं। मिसेज़ में शादी के अंदर अपनी पहचान के लिए एक महिला की लड़ाई को दिखाया गया, वहीं अस्सी में बलात्कार, पीड़िता को दोष देने की सोच और न्याय पाने की राह में महिलाओं के सामने आने वाली मुश्किलों को सामने रखा गया। इस तरह, प्लेटफॉर्म ने हमेशा ऐसी कहानियों को जगह दी है, जो परंपराओं के हिसाब से चलने के बजाय उनसे सवाल करती हैं। अब बंदर के साथ हिंदी ज़ी5 हमारे समय की एक बेहद असहज और विवादित चर्चा को सामने ला रहा है। हमने सालों से ऐसी कहानियां सुनी हैं, जिनमें महिलाएं हिम्मत जुटाकर अपनी बात सामने रखती हैं। बंदर एक चौंकाने वाला सवाल पूछता है: क्या पुरुष भी पीड़ित हो सकते हैं? #MeTooForMen की चर्चा से जुड़ी बंदर एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जिसकी जिंदगी एक महिला के लगाए आरोप के बाद पूरी तरह बदल जाती है। सच्चाई सामने आने से पहले ही लोगों की राय, मीडिया की जांच-पड़ताल और समाज का फैसला उस पर हावी हो जाता है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी और बॉबी देओल के दमदार अभिनय से सजी बंदर इस बात को दिखाती है कि किसी व्यक्ति को दोषी मान लेने के कितने गंभीर और दुखद परिणाम हो सकते हैं। फिल्म यह सवाल उठाती है कि जब किसी पर लगाया गया आरोप ही उसकी सजा बन जाए, तो क्या होता है। बंदर के जरिए हिंदी ज़ी5 ऐसी कहानियां पेश करने की अपनी कोशिश जारी रखता है, जो आम धारणाओं पर सवाल उठाती हैं, समाज की जटिल सच्चाइयों को सामने लाती हैं और उन नजरियों को भी आवाज देती हैं, जिन्हें अक्सर चर्चा में जगह नहीं मिलती। यह इस विश्वास को और मजबूत करता है कि दमदार कहानियां यहीं देखने को मिलती हैं। यह फिल्म एक क्राइम ड्रामा / साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो 28 अगस्त 2026 को प्रीमियर होगी।

रुबीना ने स्टंट रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' से जुड़ी यादें की साझा

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनय के साथ-साथ डांस और खतरनाक स्टंट में लोकप्रिय अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने अपनी प्रतिभा साबित की है। हाल ही में रुबीना ने सोशल मीडिया पर अपने पुराने स्टंट रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' से जुड़ी यादें साझा की। उन्होंने शो के दौरान की तस्वीरों और वीडियो का एक वीडियो साझा किया, जिसमें मुश्किल स्टंट के साथ-साथ दोस्तों के साथ बिताए खुशनुमा पल और उनका अलग अंदाज भी नजर आया। रुबीना ने इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो में शो के दौरान की कई तस्वीरें और छोटी-छोटी वीडियो क्लिप शामिल की। इनमें वह अलग-अलग अंदाज में दिखाई दीं। कुछ तस्वीरों में वह ओरी और जैस्मिन भसीन सहित अपने साथी प्रतियोगियों के साथ मस्ती करती नजर आईं। वहीं, कुछ क्लिप में वह कठिन और चुनौतीपूर्ण स्टंट पूरे करती दिखाई दीं। इन यादों को साझा करते हुए रुबीना ने भावुक कैप्शन भी लिखा। उन्होंने कहा कि हर दिन इस सवाल से शुरु होता था कि अब आगे क्या होगा, लेकिन उनके दिल हंसी, खुशी के आंसुओं और डर जैसी भावनाओं से भरे रहते थे।

उज्जैन संभाग

महाकाल की चतुर्थ सवारी में गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्रावण माह के चतुर्थ एवं अंतिम सोमवार को बाबा महाकाल की भव्य सवारी धूमधाम से निकली। सवारी से पूर्व सभामंडप में भगवान श्री चंद्रमोलेश्वर का पूजन-अर्चन उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा सहित जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने किया। इसके बाद पालकी को कंधा देकर नगर भ्रमण के लिए रवाना किया गया। सवारी में भगवान महाकाल ने पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर, गजराज पर श्री मनमहेश, गरुड़ रथ पर शिवतांडव और नंदी रथ पर श्री उमा-महेश के स्वरूप में भक्तों को दर्शन दिए। मार्गभर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा और हर-हर महादेव के जयघोष से बाबा का स्वागत किया। रामघाट पहुंचने पर मां क्षिप्रा के जल से भगवान का पूजन किया गया। इस बार सवारी की थीम 'पर्यावरण संरक्षण' रही। संदेश रथ एवं झांकी के माध्यम से प्लास्टिक त्यागने, पौधारोपण करने और मां क्षिप्रा को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया। 'प्रकृति की रक्षा, महाकाल की सच्ची भक्ति' के संदेश के साथ श्रद्धालुओं से पूजा-सामग्री निर्धारित निर्माल्य पात्रों में डालने की अपील की गई।

सोयाबीन फसल के बीमा क्लेम में गड़बड़ी का आरोप, किसानों का अनिश्चितकालीन धरना

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● भारतीय किसान संघ ने सोमवार को उज्जैन कलेक्टर कार्यालय के सामने प्रदर्शन करते हुए अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। बीमा कंपनी द्वारा किसानों को बीमा राशि बांटने में कथित गड़बड़ी को लेकर किसान आक्रोशित हैं। किसानों ने कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए विरोध शुरू किया है, जो मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा। भारतीय किसान संघ के प्रचारक जालम सिंह ने बताया कि खरीफ 2025 में सोयाबीन की फसल खराब हुई थी। राजस्व अधिकारियों के सर्वे में भी नुकसान सामने आया और किसानों को राहत राशि दी गई। इसके बावजूद बीमा कंपनी ने 1100 में से सिर्फ 125 हलकों में ही फसल नुकसान माना और गिने-चुने किसानों को बीमा क्लेम दिया। इसे लेकर अब जिलेभर के किसानों ने कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सिंह ने आरोप लगाया कि बीमा कंपनी ने बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा किया है, जिसकी जांच होनी चाहिए। धरना प्रदर्शन में भारतीय किसान संघ के संभाग अध्यक्ष दशरथ पंड्या, शिवशरण शर्मा, उपाध्यक्ष उदय सिंह आंजना, ईश्वर सिंह, जालम सिंह, जगदीश पाटीदार और राजेश सोलंकी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। संभाग अध्यक्ष दशरथ पंड्या ने बताया कि राजस्व विभाग ने सर्वे कराकर नुकसान की भरपाई के लिए किसानों को मुआवजा दिया था। इसके बाद सरकार ने बीमा कंपनी को सैटेलाइट रिपोर्ट के आधार पर फसल नुकसान के आंकड़े दिए। बीमा कंपनी ने इसी रिपोर्ट को आधार बनाकर गिने-चुने किसानों को ही क्लेम दिया और बाकी किसानों को भुगतान नहीं किया। उन्होंने कहा कि किसान एक साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। जब तक मांगें नहीं मानी जातीं, धरना जारी रहेगा।

विदेशी जोड़ों का वैदिक विवाह, इटली, स्पेन और इंग्लैंड के 3 कपल ने सात फेरे लिए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● दुनिया के अलग-अलग देशों से भारत आने वाले विदेशी अब योग और ध्यान के साथ भारतीय जीवन पद्धति और संस्कारों को भी अपना रहे हैं। शनिवार शाम उज्जैन के निनोरा में इसका अनोखा उदाहरण देखने को मिला। यहां इटली, स्पेन और इंग्लैंड से आए तीन विदेशी जोड़ों ने हिंदू वैदिक परंपरा के अनुसार विवाह किया। निनोरा स्थित आनंदमय वेलनेस रिट्रीट में शाम 6 बजे से रात करीब 8:30 बजे तक विवाह समारोह चला। डॉ. ओमानंद गुरुजी के सान्निध्य में तीनों जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लिए और जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। खास बात यह रही कि तीनों जोड़े डॉ. ओमानंद गुरुजी के शिष्य हैं। योग, ध्यान और भारतीय आध्यात्मिक परंपरा से प्रभावित इन विदेशी साधकों ने सनातन परंपरा को अपने जीवन में अपनाया है। उन्होंने भारतीय आध्यात्मिक नाम भी रखे हैं। समारोह में इटली की ईवा ने मां दर्पण आनंद और उनके साथी मास्सिमिलियानो ने बलराम आनंद नाम से विवाह संस्कार पूरा किया। इटली से आए दूसरे जोड़े जेसिका और लुका ने भी भारतीय रीति-रिवाजों के अनुसार सात फेरे लिए। जेसिका मां सीता आनंद, जबकि लुका राम आनंद नाम से आध्यात्मिक पहचान रखते हैं। डॉ. ओमानंद गुरुजी के अनुसार, विदेशी साधकों के लिए भारतीय विवाह सिर्फ सामाजिक या कानूनी समझौता नहीं है। भारतीय परंपरा में विवाह को दो परिवारों और दो आत्माओं के बीच जीवनभर का संबंध माना जाता है। सात फेरों के दौरान लिए जाने वाले संकल्प, परिवार को महत्व देने और रिश्तों को जीवनभर निभाने की भारतीय सोच इन विदेशी साधकों को प्रभावित करती है। यही वजह है कि योग और अध्यात्म के लिए भारत आने वाले कई विदेशी अब भारतीय संस्कारों को भी अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

यूजीसी बिल का विरोध, लोगों ने किया प्रदर्शन, कलेक्टर कार्यालय पर दिया ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

देवास1 ● कलेक्टर कार्यालय परिसर में यूजीसी बिल के विरोध में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण व्यवस्था में बदलाव करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने 'यूजीसी वापस लो... काला कानून वापस लो' जैसे नारे लगाए। उन्होंने यूजीसी बिल में संशोधन की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान दिल्ली में हुए धरना-प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज की घटना की भी निंदा की गई। उसकी जांच तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई। प्रदर्शन के बाद, तहसीलदार

को एक ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शनकारी देवेंद्र सिंह व्यास ने बताया कि ज्ञापन यूजीसी बिल के विरोध में दिया गया है। यूजीसी ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026।' इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं। आलोचकों का कहना है कि सवर्ण छात्र 'स्वाभाविक अपराधी' बना दिए गए हैं। जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स का कहना है कि नए नियम कॉलेज या यूनिवर्सिटी कैंपसों में उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा दे सकते हैं। इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी।

नागदा में तीसरी-चौथी रेल लाइन का विरोध तेज

दैनिक इंदौर संकेत

नागदा ● रेलवे की प्रस्तावित तीसरी और चौथी रेल लाइन परियोजना को लेकर स्थानीय लोगों और किसानों का विरोध गहराने लगा है। रेलवे द्वारा किए जा रहे सर्वे से अपनी जमीन और आजीविका खोने के डर से प्रभावित लोग 'नागदा जनहित समिति' के बैनर तले लामबंद हो गए हैं। रेलवे के कंस्ट्रक्शन विभाग द्वारा जमीन पर निशान लगाए जाने के बाद कई छोटे किसानों और ईंट-भट्ठा संचालकों की जमीनें परियोजना की जद में आ रही हैं। प्रभावितों का कहना है कि बार-बार बदल रहे सर्वे से भ्रम की स्थिति है और उनकी आजीविका पर संकट मंडरा रहा है।

रक्षाबंधन पर बन रहा अद्भुत-दुर्लभसंयोग

ग्रहों की विशेष चाल से 6 महाशुभ योग के साथ 4 अन्य प्रमुख धार्मिक पर्व व 1 अंतर्राष्ट्रीय दिवस, तथा ग्रहण का कोई प्रभाव नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

धार/इंदौर ● सनातन धर्म में श्रावण मास की पूर्णिमा का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। इस दिन भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन मनाया जाता है। इस संदर्भ में मालवा के ज्योतिष गुरु डॉ. अशोक शास्त्री ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा बहुत अद्भुत और दुर्लभसंयोग लेकर आ रही है। इस दिन रक्षाबंधन के साथ-साथ 4 अन्य प्रमुख धार्मिक पर्व, 1 अंतरराष्ट्रीय दिवस और चंद्र ग्रहण का साया रहेगा। वहीं दूसरी ओर, ग्रहों की विशेष चाल से 6 महाशुभ योग बन रहे हैं।

वरलक्ष्मी व्रत: धन, समृद्धि और संतान सुख की प्राप्ति के लिए रखा जाने वाला माता लक्ष्मी का अत्यंत फलदायी व्रत।

विश्व संस्कृत दिवस: प्राचीन और वैदिक भाषा 'संस्कृत' के संरक्षण व सम्मान में प्रतिवर्ष श्रावण पूर्णिमा को संस्कृत दिवस मनाते हैं।

चंद्र ग्रहण का साया : इस बार रक्षाबंधन के दिन चंद्र ग्रहण की छ्या भी रहेगी। किंतु यह ग्रहण भारत में नहीं दृश्य नहीं होगा, इसलिए हमारे यहाँ ग्रहण का कोई महत्व नहीं होगा। डॉ अशोक शास्त्री के अनुसार रक्षाबंधन को बनने वाले 6 दुर्लभ शुभयोग ग्रहण के बावजूद, ग्रहों की स्थिति और

तिथि-नक्षत्र के मेल से इस दिन 6 अत्यंत शक्तिशाली शुभ योग बन रहे हैं:

सुकर्मा योग: कार्यों में सफलता और शुभफल प्रदान करने वाला योग।

त्रिपुष्कर योग: इस योग में किए गए दान, पुण्य या कार्य का फल तीन गुना होकर मिलता है।

सर्वार्थ सिद्धि योग: सभी मनोकामनाओं को सिद्ध करने वाला और नए कार्यों के लिए श्रेष्ठ योग।

धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रक्षाबंधन

भाई-बहन के स्नेह और रक्षा का महापर्व। श्रावणी उपाक : वैदिक परंपरा में द्विज (ब्राह्मण व जनेऊधारी) इस दिन नदी तट पर प्रायश्चित पूजन कर नया यज्ञोपवीत (जनेऊ) धारण करते हैं। नारली पूर्णिमा : समुद्र तटीय क्षेत्रों (विशेषकर महाराष्ट्र) में वरुण देव को नारियल अर्पित कर यह पर्व मनाया जाता है। गायत्री जयंती : वेदमाता गायत्री का प्राकट्य दिवस, जो ज्ञान और सात्विकता का प्रतीक है।

सूर्य स्वगृही योग: सूर्य देव अपनी स्वयं की राशि (सिंह) में विराजमान रहकर तेज और मान-सम्मान में वृद्धि करेंगे।

बुधादित्य/अधियोग: सूर्य-बुध की सिंह राशि में युति से बनने वाला यह राजयोग प्रशासनिक बौद्धिक क्षेत्र में सफलता दिलाता है।

हंस/गुरु राजयोग: देवगुरु बृहस्पति अपनी उच्च राशि (कर्क) में होकर अपार समृद्धि, ज्ञान और भाग्य में वृद्धि का योग बना रहे हैं।

राखी बांधने का सबसे शुभ समय: 09:48 बजे तक। सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त: प्रात:काल 06:23 से अभिजीत मुहूर्त: दोपहर 12:14 से 01:05 बजे तक। **गोधूलि मुहूर्त :** सायं 06:57 से 07:19 बजे तक।

चौघड़िया मुहूर्त- लाभ: सुबह 07:57 से 09:31 तक। अमृत: सुबह 09:31 से 11:05 तक। शुभ: दोपहर 12:40 से 02:14 तक। चर: शाम 05:22 से 06:57 तक। **लाभ:** रात्रि 09:48 से 11:14 तक।

***नोट:** राहुकाल: दिन में 11:05 से दोपहर 12:40 तक। इसलिए अभिजीत मुहूर्त में बांधते वक्त इसका ध्यान रखें। संक्षेप में कहें तो चंद्र ग्रहण का कोई भी छाया-दोष भारत में नहीं लग रहा है। बहनें बिना हिचकिचाहट अपने भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर इस पावन पर्व को पूरे उत्साह के साथ मना सकती हैं।*

9वीं से 12वीं की त्रैमासिक परीक्षा 7 से 17 सितंबर तक, प्रिंटिंग के बाद सॉफ्ट कॉपी डिलीट करना जरूरी

एमपी बोर्ड की सख्ती : पहली बार पेपर के हर पेज पर स्कूल की 'पहचान'

लीक हुआ तो डाइस कोड बताएगा कहां से निकला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

मंदसौर ● पेपर लीक जैसे मामलों से बचने के लिए अब हर स्तर पर सरकार सख्ती कर रही है। प्रदेश में 7 सितंबर से शुरू हो रही कक्षा 9वीं से 12वीं तक की त्रैमासिक परीक्षाओं में गोपनीयता को लेकर शिक्षा विभाग ने यह सख्त प्रोटोकॉल लागू किया है।

त्रैमासिक परीक्षा का पेपर लीक हुआ तो अब यह पता लगाना आसान होगा कि प्रश्न-पत्र किस स्कूल से बाहर पहुंचा। एमपी बोर्ड की कक्षा 9वीं से 12वीं तक की परीक्षाओं में इस बार प्रश्न-पत्र के हर पृष्ठ पर संबंधित स्कूल का डाइस कोड/सील या बोर्ड कोड का वाटर-मार्क लगाना अनिवार्य किया है। यानी हर स्कूल को दिए प्रश्न-पत्र की अलग पहचान होगी।

प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर छपाई तक रहेगी कड़ी निगरानी -लोक शिक्षण संचालनालय, एमपी बोर्ड द्वारा कक्षा 9वीं से 12वीं तक की त्रैमासिक परीक्षाओं को लेकर टाइम-टेबल के साथ आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश के साथ जिले में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की त्रैमासिक परीक्षाएं 7 से 17 सितंबर तक होंगी। 9वीं- 10वीं की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक तथा 11वीं-12वीं की परीक्षा दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। निर्धारित अवधि में प्रायोगिक और अन्य विषयों की परीक्षा भी प्राचार्य अपने स्तर पर कराएंगे। प्रश्न-पत्रों के निर्माण में भी सख्ती बरती जाएगी। राज्य स्तर से विमर्श पोर्टल पर जारी ब्लूप्रिंट के आधार पर माध्यम-वार प्रश्नपत्र तैयार किए जाएंगे। जिला शिक्षा अधिकारी उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य के माध्यम से प्रश्न-पत्र बनवाएंगे और जिला आकलन प्रकोष्ठ से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर शिक्षकों को प्राथमिकता दी जाएगी। यह प्रक्रिया 2 सितंबर तक पूरी करनी होगी। इसके बाद 3 सितंबर तक सभी शासकीय हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों को सीलबंद लिफाफों में प्रश्न-पत्र पहुंचाए जाएंगे। प्रश्न-पत्रों की फोटोकॉपी या प्रिंटिंग करानी पड़ी तो संबंधित दुकान पर अधिकृत शिक्षक की मौजूदगी अनिवार्य होगी। शिक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि छपाई के बाद प्रश्न-पत्र की सॉफ्ट कॉपी कम्प्यूटर, प्रिंटर या अन्य सिस्टम से पूरी तरह डिलीट कर दी है।

छात्रों को बताई जाएंगी गलतियां

परीक्षा होने के बाद भी कक्षाएं नियमित चलेंगी। मूल्यांकन के बाद विद्यार्थियों को उनकी गलतियां बताई जाएंगी और कठिन विषयों पर उपचारात्मक शिक्षण होगा। 21 को पीटीएम आयोजित की जाएगी। परीक्षा का परिणाम 25 सितंबर तक पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा।

एमओजी लाइन में पहली बार काम के बदले प्लॉट दिए जाने का फॉर्मूला

प्लॉट बेचने में फेल स्मार्ट सिटी का नया दांव, अब जमीन के बदले करवाएंगे 37 करोड़ रु. का काम

25 करोड़ की जमीन के लिए एजेंसी को करना होगा 37 करोड़ का काम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमओजी लाइन के करोड़ों के प्लॉट बिक नहीं रहे तो स्मार्ट सिटी कंपनी ने अब बिक्री का ऐसा फॉर्मूला निकाला है, जो सामान्य प्रॉपर्टी डील से बिल्कुल अलग है। कंपनी अब प्लॉट बेचने के बजाय काम करवाकर जमीन देने की तैयारी में है। यानी एजेंसी पहले एमओजी लाइन में बिजली और दूसरी यूटिलिटी लाइनों को अंडरग्राउंड करेगी और बदले में उसे करीब 25 करोड़ रुपए कीमत का प्लॉट मिलेगा। हालांकि सौदा सिर्फ इतना आसान नहीं है, काम की अनुमानित लागत 37 करोड़ रुपए है, इसलिए एजेंसी को अंतर की करीब 12 करोड़ रुपए राशि भी कंपनी को देनी होगी।

स्मार्ट सिटी कंपनी ने नया रास्ता तो निकाल लिया है, लेकिन अब देखना यह होगा कि 37 करोड़ रुपए का काम करने के बाद 25 करोड़ का प्लॉट लेने और करीब 12 करोड रुपए अतिरिक्त चुकाने के इस प्रस्ताव में कितनी एजेंसियां रुचि दिखाती हैं। यदि एजेंसी मिल गई तो एमओजी लाइन में लंबे समय से अटकी प्लॉट बिक्री और अंडरग्राउंड यूटिलिटी, दोनों समस्याओं का एक साथ समाधान हो सकता है।

टेंडर निकले, आकार घटा, फिर भी नहीं बिके प्लॉट

एमओजी लाइन को स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत नए सिरे से विकसित करने की योजना बनाई गई थी। यहां बहुमंजिला इमारतों के निर्माण के अनुरूप प्लॉट विकसित किए गए। इन्हें बेचने के लिए स्मार्ट सिटी कंपनी ने कई बार टेंडर जारी किए, लेकिन खरीदार सामने नहीं आए। बड़े प्लॉट को लेकर रुचि कम हुई तो कंपनी ने भूखंडों का आकार तक छोटा कर दिया। इसके बावजूद बिक्री नहीं हुई। अब कंपनी ने प्लॉट बेचने की रणनीति ही बदल दी है। नए मॉडल में एजेंसी को करीब 37 करोड़ रुपए का अंडरग्राउंड यूटिलिटी का काम करना होगा। इसके बदले कंपनी करीब 25 करोड़ रुपए का प्लॉट देगी। काम की लागत और प्लॉट की कीमत का अंतर यानी करीब 12 करोड़ रुपए एजेंसी को अतिरिक्त रूप से चुकाना होगा। यानी स्मार्ट सिटी कंपनी को प्लॉट का खरीदार ढूंढने के साथ-साथ 37 करोड़ रुपए के काम के लिए अलग से भुगतान करने की जरूरत नहीं होगी। दूसरी ओर एजेंसी को जमीन के रूप में भुगतान का हिस्सा मिलेगा।

लंबे इंतजार के बाद इंदौर में बदरा तो बरसे लेकिन मात्र 0.8 मिमी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कई दिनों के सूखे दौर के बाद सोमवार को इंदौर में आखिरकार बारिश हुई, लेकिन यह राहत बेहद मामूली रही। शहर में रात 8 बजे तक केवल 0.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जिससे बारिश की कमी पर कोई खास असर नहीं पड़ा।

पिछले कई दिनों से शहर में अच्छी बारिश नहीं हुई थी। बादल छाए रहने और उमस बढ़ने के बावजूद इंदौर में लगातार हल्की फुहारों का ही दौर बना हुआ है। वहीं प्रदेश के पूर्वी जिलों में भारी बारिश और बाढ़ जैसे हालात देखने को मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक रहा। शाम 5:30 बजे तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस और आर्द्रता 78 प्रतिशत रही।

इस मानसून सीजन में इंदौर में अब तक करीब 19.7 इंच बारिश हुई है, जो सामान्य मानसूनी कोटे का लगभग 58 प्रतिशत ही है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदेश में मानसूनी गतिविधियां सक्रिय बनी हुई हैं और आने वाले दिनों में बारिश की संभावना है, लेकिन फिलहाल इंदौर में बहुत भारी वर्षा के संकेत नहीं हैं।

इंदौर जिले में बारिश के आंकड़े शहर के मुकाबले बेहतर रहने की मुख्य वजह गौतमपुरा और देपालपुर में हुई अच्छी बारिश है। गौतमपुरा में अब तक 31.9 इंच बारिश दर्ज हुई है, जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 25 इंच अधिक है। देपालपुर में 24.4 इंच बारिश हुई है। इसके उलट महू में अब तक सिर्फ 12.7 इंच बारिश हुई है।

इंदौर शहर में भी पिछले साल के 19.2 इंच के मुकाबले इस बार 17.4 इंच बारिश ही हुई है।

पांच दिन में 755 किलो प्लास्टिक वेस्ट जमा बदले में नागरिकों को दिए 1 हजार 527 पौधे

निगम का अनूठा अभियान ... आधा किलो प्लास्टिक लाएं, एक पौधा ले जाएं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सिगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और शहर में हरियाली बढ़ाने के लिए नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे 'आधा किलो प्लास्टिक लाएं, एक पौधा ले जाएं' अभियान को नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। 20 से 24 अगस्त तक शहर में स्थापित 15 आरआरआर केंद्रों पर 755.5 किलोग्राम सिगल यूज प्लास्टिक एकत्रित किया गया। इसके बदले नागरिकों को 1,527 पौधे वितरित किए गए। स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने बताया कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशन में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत नागरिक घरों में अनुपयोगी सिगल यूज प्लास्टिक जमा आरआरआर केंद्र पर लाते हैं और निर्धारित मात्रा में प्लास्टिक देने पर पौधा प्राप्त करते हैं। कर अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने बताया कि

अभियान के दौरान 23 अगस्त को सबसे ज्यादा 277 किलोग्राम प्लास्टिक एकत्रित किया गया। इस दिन 532 पौधे वितरित किए गए, वहीं 22 अगस्त को 94 किलोग्राम प्लास्टिक के बदले 175 पौधे बांटे गए। रविवार को भी नागरिकों ने अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नगर निगम का उद्देश्य प्लास्टिक को कचरे के रूप में फेंकने के बजाय उसके उचित निपटान और पुनर्चक्रण से जोड़ना है, साथ ही नागरिकों को पौधरोपण और हरियाली के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।